मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 83
गुरुवार, 02 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बरेली बवालः मौलाना तौकीर के करीबी डॉ. नफीस और उसके बेटे को भेजा गया जेल

अब तक 81 आरोपी गिरफ्तार

बरेली, 1 अक्टूबर। बरेली में बवाल के मामले में आरोपी डॉ. नफीस खां और उसके बेटे फरमान समेत आठ और आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि बुधवार को कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें दो आरोपी मुठभेड़ में पकड़े गए हैं। यह दोनों शाहजहांपुर जनपद के रहने वाले हैं। बवाल के बाद से अब तक कुल 81 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। फुटेज और वीडियो के आधार पर आरोपियों को चिह्नित किया जा रहा है। पुलिस का फोकस उन लोगों पर है, जिन्होंने भीड़ को जुटाने और उकसाने की कोशिश की थी।

एसएसपी के मुताबिक जांच में यह बात भी सामने आई है कि 26 सितंबर के दिन शुक्रवार को नमाज का वक्त बदला गया था। मौलाना तौकीर का वीडियो जारी होने के बाद यह मैसेज फैलाया गया था कि जुमे की नमाज एक बजे होगी। आमतौर पर यहां साढ़े 12 बजे से पौने चार बजे के नमाज होती है। इससे यह स्पष्ट है कि साजिश के तहत नमाज का वक्त बदला गया ताकि ज्यादा से ज्यादा भीड़ इस्लामिया मैदान की तरफ पहुंचे। अब तक जो जेल भेजे गए हैं, उनमें तीन आरोपी दूसरे प्रदेशों के हैं। इनके बारे में भी पुलिस जानकारी जुटा रही है। एसएसपी ने बताया कि जिले में धारा 163 लागू है, जिसका पूरी तरह पालन कराया जाएगा।

आई लव मोहम्मद के समर्थन में इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के बुलावे पर भीड़ जुटी थी। मौलाना के नदारद रहने से भीड़ अराजक हो गई। पुलिस का दावा है कि लोगों ने दुकानों और वाहनों में तोड़फोड़ की थी। बेकाबू भीड़ पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था। आंसू गैस के गोले दागे गए थे। पुलिस के मुताबिक बवाल में 22 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

बवाल के बाद पुलिस ने शहर के अलग-अलग थानों में 10 मुकदमे दर्ज किए हैं। इनमें 125 लोग नामजद और करीब तीन हजार अज्ञात आरोपी हैं। सात मुकदमों में मौलाना तौकीर रजा का नाम है। बवाल की जांच के लिए डीआईजी रेंज अजय कुमार साहनी के निर्देश पर एसएसपी अनुराग आर्य ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। एसआईटी में एसपी सिटी मानुष पारीक के नेतृत्व में तीन सीओ और 14 इंस्पेक्टर शामिल हैं।

सरकारी कर्मचारियों को दशहरा गिफ्ट, बढ़ गया DA

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों को दशहरा का गिफ्ट दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ता (DA) में 3 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी है। ये बढ़ोतरी 1 जुलाई 2025 से प्रभावी मानी जाएगी। कैबिनेट के नोटिफिरेशन के अनुसार, यह मौजूदा दर को 55 प्रतिशत से 58 प्रतिशत मूल वेतन या पेंशन तक बढ़ाता है। मंहगाई के प्रभाव को दूर करने के उद्देश्य से की गई इस बढ़ोतरी से लगभग 49.19 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारियों और 68.72 लाख पेंशनरों को लाभ होगा।

इस निर्णय से सरकार पर सालाना 10,083.96 करोड़ रुपये का बोझ पड़ने का अनुमान है। यह संशोधन 7 वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है। कैबिनेट ने 'द पल्स मिशन' को मंजूरी दी है। यह एक ऐतिहासिक पहल है, जिसका उद्देश्य घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना और दालों में आत्मनिर्भरता को प्राप्त करना था। मिशन को छह साल में लागू किया जाएगा, 2025-26 से 2030-31 तक, 11,440 करोड़ रुपये के खर्च होगा।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों पर कैबिनेट समिति (CCEA) ने भी सीजन 2026-27 के लिए सभी रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन कीमतों (MSP) में वृद्धि को मंजूरी दी। सरकार ने 2026-27 के लिए रबी फसलों के एमएसपी को बढ़ा दिया है, ताकि उनकी उपज के लिए उत्पादकों को पारिश्रमिक कीमतें सुनिश्चित हो सकें। एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि को 600 रुपये प्रति क्विंटल कुसुम के लिए घोषित किया गया है, इसके बाद दाल (मसूर) 300 रुपये प्रति क्विंटल है। रेपसीड एंड सरसों, ग्राम, जौ, और गेहूं के लिए, 250 रुपये प्रति क्विंटल, 225 रुपये प्रति क्विंटल, 170 रुपये प्रति क्विंटल और 160 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि हुई है।

यूपी के सीतापुर में 80 एकड़ जमीन पर बनेगा इंडस्ट्रियल पार्क, तीन जिलों के किसानों को मिलेगा लाभ

महमूदाबाद (सीतापुर), 1 अक्टूबर। सेमरी कताई मिल की 80 एकड़ जमीन पर औद्योगिक पार्क विकसित किया जाएगा। इसके लिए शासन की ओर से उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को जमीन हंस्तानांतरित कर दी गई है। यूपीसीडा की ओर से जमीन का सर्वे करके लेआउट तैयार किया जा रहा है। औद्योगिक पार्क बनने से सीतापुर, बहराइच और बाराबंकी के किसानों को भी फायदा मिलेगा। सेमरी में उत्तर प्रदेश सहकारी कताई मिल्स संघ लिमिटेड की सूत मिल वर्ष 1985 में चली थी। इस मिल का धागा जिले के दरी उद्योग के साथ ही विभिन्न प्रांतों में बुनकरी में उपयोग किया जाता है। आपूर्ति बांग्लादेश तक होती थी। वर्ष 2001 में सेमरी सूत मिल बंद हो गई। मिल की मशीनों को भी बेच दिया गया। इसके बाद इसे दोबारा संचालित किए जाने की कवायद कई बार की गई। बावजूद इसके मिल को दोबारा नहीं चलाया जा सका। सरकार ने मिल की करीब 80 एकड़ जमीन पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने का फैसला किया है। इसके लिए जमीन उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को दे दी गई है। यूपीसीडा के अभियंताओं ने जमीन का सर्वे कर लिया है। लेआउट बनाने का काम चल रहा है। बताया जा रहा है कि सूत मिल की जमीन पर आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। सेमरी औद्योगिक क्षेत्र में 100 से अधिक औद्योगिक इकाइयां लगाए जाने की संभावना है। जिला उद्योग केंद्र के उपायुक्त संजय सिंह ने बताया कि सेमरी औद्योगिक क्षेत्र में एग्रीबेस औद्योगिक इकाइयों की अधिकता रहेगी। इनमें 20 हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगारी मिलेगा। इसके अलावा सीतापुर, बहराइच और बाराबंकी के किसानों को भी फायदा मिलेगा। महमूदाबाद का सेमरी यातायात के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

पटना में खराब मौसम के कारण इंडिगो की फ्लाइट वाराणसी डायवर्ट

पटना। कोलकाता से पटना आ रही इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई713 को बुधवार को खराब मौसम के कारण पटना एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति नहीं मिली। अचानक मौसम बिगड़ने के चलते फ्लाइट को सुरक्षा कारणों से वाराणसी डायवर्ट किया गया। पटना में घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण यह निर्णय लिया गया। फ्लाइट में सवार यात्रियों को सुरक्षित वाराणसी पहुंचाया गया, जहां उन्हें आगे की व्यवस्था के लिए सूचित किया गया। वहीं मुंबई से पटना आ रही इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई2043 पटना 36 मिनट विलंब से पहुंची। बेंगलुरु से पटना आ रही विमान संख्या 6ई6277 पटना अपने निर्धारित समय से 24 मिनट विलंब से पहुंची। पटना से बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई805 निर्धारित समय से 40 मिनट विलंब से उड़ान भरी।

स्वामी चैतन्यानंदः आश्रम में मिलीं गंदी फिल्में, खिलौने व अश्लील साहित्य

नई दिल्ली । दिल्ली के वसंतकुंज इलाके में 17 छात्राओं के यौन शोषण मामले में अब तक सबसे बड़ा खुलसा सामने आया है। आरोपी स्वयंभू स्वामी चैतन्यानंद उर्फ पार्थ सारथी ने कुछ पीड़ितों से दुबई के शेख के लिए लड़की का इंतजाम करने के बारे में पूछा था। आरोपी ने छात्रा से उसकी जूनियर व अन्य दोस्त के बारे में बताने को कहा था। ये सनसनीखेज खुलासा आरोपी की पीड़ित छात्राओं के साथ हुई चैट के बाहर आने पर हुआ है। आरोपी की पीड़ित छात्राओं के साथ की गई काफी मात्रा में चैट उसके मोबाइल से मिली हैं।

दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी के एक मोबाइल को रिट्रीव कराया गया था। उस मोबाइल से छात्राओं के साथ अश्लील चैट की 1000 से ज्यादा चैट मिली हैं। एक चैट में वह पीड़ित छात्रा से पूछ रहा है कि... वह उससे क्यों नाराज है। आरोपी छात्राओं को हर रोज गुड मॉर्निंग के मैसेज भेजता था। एक चैट में वह एक छात्रा को बेटी भी कह रहा है। एक चैट में वह एक छात्रा को कहता है कि वह उसके पास सोने नहीं आई।

एक अन्य चैट में वह पीड़िता को कह रहा है कि वह डिस्को कर रहा है। वह छात्रा को डिस्को डांस में आकर ज्वाइन करने के लिए पूछता है। पुलिस का काफी ऐसी चैट मिली हैं कि उसमें बहुत ज्यादा अश्लील बातें कर रखी हैं। उसने एक छात्रा से पूछा कि दुबई का शेख जिस्मानी संबंध बनाना चाहता है, उसके कोई दोस्त या जूनियर है। इस पर पीड़िता बिल्कुल मना कर देती है।

पुलिस की जांच में ये बात सामने आई है कि आरोपी छात्राओं को महंगे गिफ्ट भी देता था। उसने छात्राओं को महंगे कपड़े व गहने दिलवाए हैं। वह परफ्यूम भी गिफ्ट में देता था।

पुलिस की जांच में ये पता लगा है कि आरोपी छात्राओं के साथ अश्लील हरकतें आश्रम से बाहर करता था। वह छात्राओं को उत्तराखंड व दिल्ली से बाहर ले जाता था। पुलिस को जांच में ये भी पता लगा है कि वह कुछ छात्राओं को भारत से बाहर भी ले गया है। पुलिस टीमें पुष्टि के लिए बागेश्वर, अल्मोड़ा और अन्य उन जगहों पर गई, जहां फरारी के दौरान वह रूका था।

पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस टीम बुधवार को आरोपी पार्थसारथी को लेकरश्रीसिम पहुंची और उसके परिसर की फिर से गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान काफी आपत्तिजनक सामान मिला है। श्रीसिम से एक अश्लील टॉय, अश्लील सामग्री वाली पांच सीडी व अश्लील साहित्य मिला है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार आश्रम से आरोपी के कमरे से प्रधानमंत्री, अमेरिका पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और

केंद्र ने 160 प्रति क्विंटल बढ़ाई गेहूं की एमएसपी, हाईवे और रिसर्च प्रोग्राम को भी मंजूरी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। केंद्र सरकार ने बुधवार को कई अहम फैसले लिए। इसकी जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि गेहूं की एमएसपी 160 प्रति क्विंटल बढ़ाकर 2,585 प्रति क्विंटल कर दिया गया है। वहीं रबी सीजन 2026-27 में सरकार 297 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद का अनुमान लगा रही है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'रबी सीजन की MSP बढ़ाने से कुल 84263 करोड़ रुपए हमारे किसानों भाईयों के मेहनत के इसमें जाएंगे...रबी सीजन 2026-27 के दौरान अनुमानित खरीद 297 लाख मीट्रिक टन होने की संभावना है और प्रस्तावित एमएसपी पर किसानों को भुगतान की जाने वाली राशि 84,263 करोड़ रुपये है।' कैबिनेट के फैसलों पर प्रेस को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'रबी सीजन के लिए एमएसपी बढ़ाने के फैसले से हमारे किसानों को उनकी कड़ी मेहनत का लाभ मिलेगा। सीएसीपी की सिफारिशों के आधार पर, छह प्रमुख रबी फसलों, गेहूं, जौ, चना, मसूर, रेपसीड, सरसों और सूरजमुखी के लिए एमएसपी को मंजूरी दी गई है। नीति यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक फसल के लिए एमएसपी उत्पादन लागत पर न्यूनतम 50% का मार्जिन प्रदान करे।' प्रधानमंत्री मोदी ने रबी फसलों की एमएसपी बढ़ाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- विकसित भारत के निर्माण में अहम भागीदारी निभा रहे अन्नदाताओं का कल्याण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसी दिशा में रबी फसलों की एमएसपी बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इससे जहां हमारी खाद्य सुरक्षा और मजबूत होगी, वहीं हमारे किसान भाई-बहनों को भी लाभ होगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, 'भारत, दुनिया के सबसे बड़े दाल उत्पादकों और उपभोक्ताओं में से एक है। 2024 के भाजपा घोषणापत्र में दालों के लिए एक मिशन बनाने की बात कही गई थी और हम आत्मनिर्भरता हासिल करने और आयात में कटौती के लिए 11,440 करोड़ रुपये का मिशन शुरू कर रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य बेहतर बीजों के साथ उत्पादकता में सुधार, खेती को 275 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 310 लाख हेक्टेयर करना और खेती से लेकर भंडारण तक पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करना है। इसका लक्ष्य उपज को 881 किलोग्राम से बढ़ाकर 1,130 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर करना है, जिससे उत्पादन में बढ़ोतरी और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित होगी।' कैबिनेट के इस फैसले पर पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- देशभर के अपने किसान भाई-बहनों के कल्याण के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

शुभकामनाएं

असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक विजय दशमी के शुभ अवसर पर सभी पाठकों, संवाददाताओं व शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामना।

-संपादक

अवकाश सूचना

विजय दशमी व गांधी जयंती के अवसर पर समाचार पत्र का प्रकाशन बंद रहेगा।

-सम्पादक

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

-ललित गर्ग

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, ह्यगांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...। वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी टेररिस्टह्व लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दशार्ता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार

सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम्- था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा।

समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रुरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं। कभी-कभी प्रशंसा नहीं ऐसी गालियां गांधी को ज्यादा पूजनीय बनाती रही हैं। जिस प्रकार गांधी ने कहा था-ह्यआप मुझे मार सकते हैं, मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं, पर मेरे विचारों को समाप्त नहीं कर सकतेह्व- यह सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दरअसल, अहिंसा को कुचलने की हर कोशिश अहिंसा को और अधिक शक्तिशाली बना देती है। यह हमला गांधी की अमरता का प्रमाण है। हमें इस अवसर को केवल निंदा तक सीमित न रखकर, गांधी के सत्य, प्रेम और सहिष्णुता के संदेश को और व्यापक स्तर पर प्रसारित करना चाहिए। तभी आतंकवादी मानसिकता को वास्तविक और स्थायी जवाब मिलेगा। गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है। महात्मा के शिष्यों ने, बापू के बेटों ने, संत के अनुयायियों ने और गांधी की पार्टी वालों ने उनको बार-बार बेचा है, उनसे कमाया है, उनके नाम से वोट मांगे हैं, सत्ता प्राप्त की है, सुबह-शाम धोखा दिया है और उनकी चादर से अपने दाग छिपाये हैं। लेकिन बहुत हो गया, अब यह आवश्यक है कि इस घटना का विरोध केवल भावनात्मक या औपचारिक स्तर पर न होकर ठोस, नैतिक और प्रभावी स्वरूप में हो। आज गांधी को खोजने की जरूरत मूर्तियों में नहीं, बल्कि अपने जीवन और आचरण में है। यही इस घटना से निकला सबसे बड़ा संदेश है कि अहिंसा की रक्षा केवल स्मारकों से नहीं बल्कि व्यवहार से होगी। गांधी की प्रतिमा का क्षरण क्षणिक है, किंतु उनके विचारों की हत्या यदि हम होने देंगे तो यह सम्पूर्ण मानवता की हार होगी। लंदन में गांधीजी की इस प्रतिमा का अनावरण 1968 में इंडिया लीग के सहयोग से हुआ था। यूके में गांधी जयंती के मौके पर यह जगह लंबे समय से मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा है। हर साल 2 अक्टूबर को यहां फूलों से श्रद्धांजलि दी जाती है और गांधीजी के प्रिय भजन बजते हैं। इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता दे रखी है। इसके चबूतरे पर लिखा है- महात्मा गांधी, 1869-1948। उनका लंदन से ऐतिहासिक संबंध रहा है,जहां उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कानून की पढ़ाई की थी।

रावण तो हर साल जल जाएगा पर समाज में छद्म भेष में रह रहे रावणों का क्या होगा?

अशोक भाटिया

राम के अयोध्या आगमन का आह्लाद और देवों को भयमुक्त करने की अलौकिक कथाएं जुड़ी हैं विजयदशमी से। बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहनकर हम मनाते हैं विजयदशमी पर मन में हर साल यह प्रश्न उमड़ता-घुमरता रहता है कि क्या हमारे ह्रदय में भी राम-रावण के संघर्ष की परिणति इसी रूप में हो जाती है।

राम और रावण भारतीय इतिहास के, धार्मिक मान्यताओं के बहुच?चत चरित्र हैं। दोनों प्रकांड विद्वान, दोनों महायोद्धा पर एक को हमने भगवान के रूप में पूजा तो दूसरा आसुरी शक्ति का प्रतीक बना। त्रेता युग में राम ने रावण का वध किया था। उसके बाद से आज तक हम विजयदशमी पर प्रत्येक वर्ष रावण वध की परंपरा का निर्वाह करते हैं पर क्या वाकई आसुरी शक्तियों का विनाश अब तक हो पाया है, शायद नहीं।

दरअसल कलयुग में रावण पुतला मात्र नहीं है। रावण तो प्रतीक है आसुरी शक्तियों का। वह जो प्रकांड विद्वान और महायोद्धा होकर सम्मान का पात्र नहीं बन सका। वह जो इंद्रिय सुख के लिए पर स्त्री की ओर नजरें उठाता है। वह जो सत्ता भोगने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है जो अहंकारी है जो क्रोधी है और जो कई चेहरे रखता है।

सच पूछिए तो न राम केवल किताबों और मंदिरों में हैं और न रावण केवल पुतलों और आख्यानों में, बल्कि दोनों हमारे आसपास हैं। हमारे परिवेश में हैं, दोनों हमारे भीतर हैं। यही कारण है कि विजयदशमी पर हर साल हम खुद को राम मानते हुए रावण वध तो कर देते हैं पर आसुरी शक्तियां खत्म नहीं हो पाती हैं। ऐसे में दरकार है कि हम अपने अंदर के दशानन की पहचान करें और आत्ममंथन करें कि कहीं हमारे मन के किसी कोने में तो रावण नहीं छिपा है। इसलिए प्रतिदिन दिल से गुनगुनाएं कि अपने भीतर है जो इंसान बचाकर रखना/ रोज काम आता है भगवान बचाकर रखना....

कहा जाता है कि रावण का क्रोध और अहंकार ही उसके विनाश का कारण बना। कागज-काठ के पुतले तो हम हर साल जलाते हैं पर अपने अहंकार को खुद ही पोषित करते रहते हैं। क्रोध पर नियंत्रण कहां कर पाते हैं। इस विजयदशमी पर इनका समूल नाश करने के लिए एक कोशिश तो कीजिए, मन मंदिर में राम विराजेंगे और हम भी सगर्व शंखनाद कर सकेंगे, वैसे ही जैसे किसी शायर ने कहा है- साल पूछे अगर कोई कह दें, आज मारा है रावण ए मगरूर।

राम तुम्हारे युग का रावण अच्छा था/दस के दस चेहरे सब बाहर रखता था। परत दर परत चेहरों में कहां रावण छिपा है, आज पहचानना मुश्किल है। अगर हम हकीकत में अपने भीतर ईमानदारी से झांके, तब भी तो यही हाल दिखता है। बेटा फोन आए तो कह देना मम्मी घर पर नहीं हैं। घर पर रहने के बावजूद ऐसा कहकर बच्चों को क्या संदेश देना चाहती हैं आप। पारदर्शिता का खोना विश्वसनीयता का खोना है। राम के मंदिर में हम दीप जरूर जलाएंगे पर दरकार इस बार अपने मन मंदिर में भी सत्य का दीप जलाने की है अर्थात कथनी और करनी में फर्क मिटाने की

है। मेहनत, लंबे शोध का नतीजा जो तकनीक सुविधा के रूप में हमें प्राप्त है, उसका भी सदुपयोग कम और दुरुपयोग ज्यादा होता है।

कागज और लकड़ी से बने रावण के पुतले का हर साल दहन होता है पर सीता मैया अब तक सुरक्षित नहीं हैं। नेशनल क्राइम रिकाड्‌र्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक पूरे देश में वर्ष 2020 में प्रतिदिन औसत दुष्कर्म के 77 मामले दर्ज किए गए। देश में राजस्थान में ऐसे मामले सबसे अधिक (5310) दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश इस कलंक में दूसरे स्थान पर भागी रहा तो महाराष्ट्र और असम क्रमशः तीसरे और चौथे नंबर पर। देहरी के बाहर ही नहीं, भीतर भी यही हाल है। एक कवि के शब्दों में लक्ष्मण रेखा भी आखिर क्या कर लेगी/ सारे रावण घर के अंदर...। रिश्ते कलंकित हो रहे हैं। यह भी एक गंभीर मसला है। शाम ढलने के बाद बेटी घर आई या नहीं, यह तो हम देखते हैं पर बेटा कहां शाम गुलजार कर रहा है। अधिकतर हम इससे अनभिज्ञ ही रहते हैं। सही विजयदशमी तभी होगी, जब देहरी के भीतर और बाहर दोनों जगह सीता महफूज रहें।

बेशक रावण परिवेश और हमारे मन में दिख सकता है पर यह भी सच है कि मन के किसी कोने में राम भी विराजमान हैं। राम हैं यानी उम्मीद है, आशा है, विश्वास है। इसी कारण तमाम बुराइयों के बाद भी भीतर-बाहर की लड़ाई बरकरार है। ऐसे में बस यह दरकार है कि इस शुभ मौके पर हम दशानन की पहचान करें और भीतर हो या बाहर उसे परास्त करने का प्रयास करें, क्योंकि किसी कवि ने सही कहा है देख तज के पाप रावण/ राम तेरे मन में हैं/ राम तो घर घर में हैं/ राम हर आंगन में हैं/ मन से रावण जो निकाले / राम उसके मन में हैं....

हमारे कर्म राक्षसी, प्रवृत्ति दंभी व व्यभिचारिणी, विवेक सुप्त, निष्ठा संकीर्ण, क्षुद्र व स्वार्थी और संस्कार यदि दूषित हैं तो धर्म, जाति, कुल, प्रतिष्ठा, मान्यता व राजयोग हमारे भीतर के रावण को अधिक समय तक समाज की नजरों से छिपाए नहीं रख सकते। इसीलिए आज हमें चारों ओर रावण ही रावण नजर आ रहे हैं। हम इन रावणों के पुतलों का दहन तो कर देते हैं, लेकिन रावणी प्रवृत्ति का दहन करने का हौसला आज तक हममें नहीं। हम रावण के इसी रूप से पाठकों को परिचित करा रहे हैं।

विजयदशमी के दिन हम हर साल धूमधाम से बुराई एवं असत्य के प्रतीक रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद आदि के पुतले जलाते हैं। समाज से बुराइयों को खत्म करने और मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों पर चलने का भावनात्मक संकल्प लेते हैं। बावजूद इसके सवाल वहीं का वहीं है कि क्या हम वास्तव में रावण का अंत कर पाए। क्या रावण हमारे अंदर नहीं है। सच तो ये है कि रावण आज चप्पे-चप्पे में मौजूद है। वह पारिवारिक रिश्तों में भी है और सामाजिक जिम्मेदारियों में भी। कला, संस्कृति, साहित्य, शिक्षा व कानून-व्यवस्था में भी रावण के दर्शन किए जा सकते हैं। बल्कि, अब तो न्याय भी इसकी छाप लिए होने का आभास देता है। बस! हम उसे पहचान नहीं पा रहे हैं या यूं कह लीजिए की पहचानना ही नहीं चाहते। विचार कीजिए, यदि मुखौटों के भीतर छिपे रावण को हम पहचानेंगे नहीं तो उसे मार कैसे पाएंगे। क्या अपने अंदर बैठे रावण से दो-दो हाथ किए बिना हमें चारों ओर फैले पड़े रावणों से कभी मुक्ति मिल पाएगी।देवाधिदेव भगवान शंकर के पुरोहित पद पर प्रतिष्ठित, सप्तऋषियों में से एक पुलस्त्य का पौत्र, महापंडित विश्रवा का पुत्र रावण ऋषिकुल में जन्म लेने के बाद भी राक्षस केरूप में ही याद किया जाता है।

यह कर्मों की गति ही तो है। आज रावण संज्ञा नहीं, संज्ञेय है, परिभाष्य है। वह मात्र एक पात्र नहीं, चरित्र है। महज स्त्रीहर्ता नहीं, सुसंस्कार द्रोही है। घटना नहीं, परंपरा है और इसीलिए एकल नहीं, बहुल है, सर्वत्र है। घूसखोर, बेईमान, भ्रष्टाचारी, व्यभिचारी, दंभी, क्रोधी, स्वार्थी, संस्कारहीन, विवेक सुप्त आदि सभी रावण के ही तो प्रतिरूप हैं। यदि तात्कालिक स्वार्थों में अंधे होकर हम इन रावणों को पहचान नहीं रहे या पहचानते हुए इस ओर आंखें मूंदे हुए हैं तो प्रकारांतर से यह एक और रावण के भ्रूण विकास की सूचना ही तो है। अगर आदमीयत, समाज एवं राष्ट्र की शुचिता की कोई अहमियत हमारे भीतर है तो इन बालिग-नाबालिग व गर्भस्थ रावणों को पहचानने के लिए अपनी क्षमता का विकास करना हमारा नैसर्गिक ही नहीं, नैतिक दायित्व भी है।

रावण तो तीनों लोकों की सत्ता हासिल करने का भ्रम पाले बैठा था। अलग-अलग रूप और अपने-अपने दायरे में वह स्वयं को त्रिलोकपति समझने लगा था। इसलिए वह स्वयं को सामाजिक विधानों से ऊपर मानता था। हम रावण की कथा पढ़ते हैं, लेकिन शायद हमें उसका अर्थ नहीं मालूम कि रावण दशानन है। उसके दस चेहरे हैं। राम प्रामाणिक हैं। उन्हें हम पहचान सकते हैं, क्योंकि वह कोई धोखा अथवा फरेब नहीं हैं। रावण को पहचानना मुश्किल है। उसके अनेक चेहरे हैं। दस का मतलब ही अनेक है, क्योंकि दस से बड़ी कोई संख्या नहीं। दस आखिरी संख्या है और इसके आगे हम मनचाही संख्या जोड़ सकते हैं। रावण असुर है और हमारे चित्त की दशा जब तक आसुरी रहती है, तब तक हमारे भी दशानन की तरह बहुत सारे चेहरे होते हैं। तब हम भूल जाते हैं कि हमारा स्वरूप क्या है। इस स्थिति में अपने भीतर मौजूद दशानन को हम कैसे जलाएं। ऐसा तो रावण को नकारने पर ही संभव हो पाएगा। ...और इसके लिए हमें रावण के अस्तित्व को नकारने का शुतुरमुर्गी तरीका अपनाने की जगह उसकी आंखों में आंखें डालकर उसे ही सच्चाई का दर्पण दिखाना होगा। हमें समाज में छद्म भेष में रह रहे रावणों का का अंत करना होगा तभी हमारा विजय दशमी का उत्सव सार्थक होगा।

राम की मयार्दा और गांधी का सत्य : समाज के लिए प्रेरणादायी आदर्श

-सुरेश गांधी

भारत की संस्कृति और इतिहास में दो ऐसे महान व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने अलग-अलग युगों में मानवता को नई दिशा दी–त्रेता युग के मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम और आधुनिक युग के महात्मा गांधी। एक ने धर्म और मयार्दा के बल पर आदर्श राज्य की स्थापना की, तो दूसरे ने सत्य और अहिंसा के बल पर एक पराधीन राष्ट्र को स्वतंत्रता दिलाई। राम और गांधी, दोनों ही अपने समय से आगे बढ़कर समाज को यह संदेश देते हैं कि आदर्श, नैतिकता और आत्मबल ही वह शक्ति है, जो किसी भी अन्याय, संकट और अंधकार पर विजय पा सकती है। भगवान राम का पूरा जीवन मयार्दा का पर्याय है। उन्होंने व्यक्तिगत सुख और वैभव से ऊपर उठकर समाज और परिवार के कर्तव्यों को सर्वोपरि रखा।

जब राजा दशरथ ने कैकेयी को दिए वचन के कारण राम को 14 वर्ष का वनवास दिया, तो राम ने बिना किसी विरोध के उसे स्वीकार कर लिया। यह त्याग हमें बताता है कि सच्चा पुत्र वही है जो पिता की आज्ञा को धर्म समझकर निभाए। सीता माता की अग्निपरीक्षा और उनके परित्याग का प्रसंग भले ही कठोर लगे, लेकिन राम ने यह निर्णय राजधर्म के कारण लिया। उनके लिए प्रजा की आस्था सर्वोपरि थी। भरत-राम मिलन का प्रसंग मयार्दा और प्रेम का अद्वितीय उदाहरण है। जब भरत ने सिंहासन स्वीकार करने से मना कर दिया और राम की खड़ाऊँ सिंहासन पर रखीं, तो यह भारतीय संस्कृति में आदर्श भाईचारे का प्रतीक बना।

राम का जीवन यह सिखाता है कि समाज तभी संतुलित और सशक्त रह सकता है, जब हर व्यक्ति अपने कर्तव्यों और मयार्दाओं का पालन करे।

महात्मा गांधी ने आधुनिक युग में सत्य को ही जीवन का आधार माना। उनके अनुसार, सत्य ही ईश्वर है। चंपारण सत्याग्रह (1917) : किसानों पर अत्याचार के खिलाफ गांधी ने सत्याग्रह किया। अंग्रेज सरकार को झुकना पड़ा और किसानों को न्याय मिला। अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918) : मजदूरों की हड़ताल में गांधी ने उपवास किया और सत्य के बल पर उनके वेतन में वृद्धि करवाई। असहयोग आंदोलन (1920) : विदेशी वस्त्रों की होली जलाकर स्वदेशी का संदेश दिया। जनता ने सत्य और आत्मबल से अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी। नमक सत्याग्रह (1930) : दांडी मार्च इतिहास में वह क्षण था जब एक मुट्ठी नमक ने साम्राज्यवादी सत्ता की नींव हिला दी। भारत छोड़ो आंदोलन (1942) : गांधी ने ह्यकरो या मरोह्व का आह्वान दिया, जिसने स्वतंत्रता संग्राम को निर्णायक रूप दिया। इन आंदोलनों में गांधी ने यह सिद्ध कर दिया कि सत्य और अहिंसा से भी साम्राज्यवादी सत्ता को परास्त किया जा सकता है।

कहा जा सकता है राम और गांधी दोनों अलग-अलग युगों के पुरुषार्थी थे, परंतु उनके जीवन से हमें समान शिक्षा मिलती है। 1. सत्य और धर्म का पालन : राम ने धर्म और मयार्दा की रक्षा के लिए सब कुछ त्याग

दिया। गांधी ने सत्य और अहिंसा की रक्षा के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। राम ने राजसुख का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। गांधी ने विलासिता का त्याग कर सादा जीवन अपनाया। राम का आदर्श रामराज्य था, जहाँ सबके साथ न्याय और सुख-शांति हो। गांधी का सपना ग्राम स्वराज था, जहाँ हर गाँव आत्मनिर्भर हो और समाज समरसता से जीए। राम का जीवन मयार्दा का आदर्श है। गांधी का जीवन सत्य और आत्मबल का उदाहरण है।

यह प्रश्न अक्सर उठता है कि क्या गांधी की तुलना राम से की जा सकती है। सीधी तुलना करना शायद उचित नहीं होगा। श्रीराम को हिंदू धर्म में विष्णु का अवतार माना जाता है, जिनका उद्देश्य धर्म की स्थापना था। गांधी एक सामान्य मानव थे, जिन्होंने आत्मसंयम, साधना और संघर्ष से स्वयं को महान बनाया। परंतु दोनों में समानता यह है कि उन्होंने अपने जीवन को आदर्शों के आधार पर जिया। श्रीराम ने धर्म और मयार्दा को सर्वोच्च माना। गांधी ने सत्य और अहिंसा को जीवन का मूल मंत्र बनाया। गांधी जी के अंतिम शब्द हे राम उनके जीवन और विचारों के बीच सेतु का प्रमाण हैं। अर्थात दोनों ने आदर्श आधारित जीवनह्व को अपनी पहचान बनाया। गांधी ने राजनीतिक स्वतंत्रता को भी ह्वरामराज्यह्व के आदर्श से जोड़ा।

रामायण केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने का शास्त्र है। उसी प्रकार गांधी का जीवन भी एक प्रेरणागाथा है। रामायण हमें सिखाती है कि धर्म की रक्षा करने वाला ही सच्चा नायक होता है। गांधी का जीवन बताता है कि ह्यसत्य के मार्ग पर चलने वाला ही सच्चा विजयी होता है। दोनों ही जीवन-दर्शन इस बात पर बल देते हैं कि असत्य और अन्याय का नाश सत्य और धर्म से ही संभव है। आज का समय अनेक चुनौतियों से भरा है– भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक असमानता और नैतिक पतन। इन परिस्थितियों में राम और गांधी के आदर्श हमारे लिए पथप्रदर्शक हो सकते हैं। परिवार और समाज के लिए : यदि हम राम की मयार्दा को अपनाएँ, तो परिवारों में अनुशासन और प्रेम बना रहेगा। राजनीति और शासन के लिए : यदि हम गांधी के सत्य को अपनाएँ, तो राजनीति सेवा का माध्यम बनेगी, न कि स्वार्थ का। विश्व शांति के लिए : यदि अहिंसा और सत्य को आधार बनाया जाए, तो युद्ध और आतंकवाद का अंत संभव है। पर्यावरण और जीवन शैली : गांधी का ह्यसादा जीवन, उच्च विचार आज के उपभोक्तावादी समाज में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है।

गांधी और राम दोनों ने जनता को ही अपनी शक्ति माना। राम का राज्य जनकल्याण पर आधारित था। गांधी का आंदोलन जनसहयोग पर खड़ा था। आज भी बदलाव केवल नेताओं से संभव नहीं है। आम नागरिक को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। यदि जनता दागी, अवसरवादी और परिवारवादी नेताओं को वोट देती रहेगी, तो गांधी का सपना और रामराज्य की कल्पना दोनों अधूरी रह जाएंगी। मतलब साफ है राम और गांधी, दोनों अलग-अलग युगों के महानायक थे, दोनों ने अलग-अलग युगों में मानवता को आदर्श जीवन की राह दिखाई। परंतु दोनों के आदर्श आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक हैं। राम ने मयार्दा और धर्म से जीवन को संवारा, तो गांधी ने सत्य और अहिंसा से राजनीति को नैतिकता की ओर मोड़ा। दोनों ही इस बात का संदेश देते हैं कि सत्ता सेवा का माध्यम है, न कि स्वार्थ का साधन। आज जरूरत है कि हम केवल उनके नाम की दुहाई न दें, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन और समाज में उतारें। यही दोनों युगपुरुषों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। समाज और राजनीति की सफाई केवल नेताओं पर निर्भर नहीं रह सकती। आम नागरिकों को भी जागरूकता की झाड़ू उठानी होगी। तभी गांधी का भारत साकार होगा, जहां सत्ता सेवा का माध्यम होगी, और राजनीति आदर्शों की राह पर चलेगी। गांधी की दुहाई देना आसान है, लेकिन असली काम है उनके विचारों को अपनाना। यही गांधी जयंती का सबसे बड़ा संदेश होना चाहिए।

भगवान राम और महात्मा गांधी, दोनों ही अपने युग के आदर्श हैं। राम ने त्रेता युग में धर्म और मयार्दा की स्थापना की। गांधी ने आधुनिक युग में सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। दोनों का संदेश एक ही है–सत्य और मयार्दा से ही समाज और राष्ट्र का कल्याण संभव है। आज जब हम नैतिकता और आदर्शों से भटक रहे हैं, तब आवश्यक है कि हम राम की मयार्दा और गांधी के सत्य को अपने जीवन में आत्मसात करें। यही एक आदर्श समाज और सशक्त भारत की सच्ची राह है. कहा जा सकता है गांधी और राम दोनों ही इस बात के प्रमाण हैं कि जीवन का वास्तविक बल सत्ता, धन या शस्त्रों में नहीं, बल्कि सत्य, धर्म और मयार्दा में निहित है। श्रीराम का रामराज्य और गांधी का सत्याग्रही भारत, दोनों ही हमें यह प्रेरणा देते हैं कि समाज तभी टिकेगा जब उसके मूल में न्याय, समानता और मानवीय करुणा होगी। इस दृष्टि से गांधी और राम एक-दूसरे के पूरक हैं, एक अवतार का आदर्श और दूसरा मानव का संघर्षशील उदाहरण। मतलब साफ है महात्मा गांधी और मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम, दोनों नाम अपने-अपने कालखंड में जनमानस के लिए मार्गदर्शक रहे। श्रीराम को मानवता का अवतार, धर्म और मयार्दा का प्रतीक माना गया, वहीं गांधी जी को सत्य और अहिंसा का पुजारी कहा गया। एक देवत्व के प्रतिनिधि, तो दूसरे मानव होकर भी आदर्शों के चरम उदाहरण। दोनों की समानता और भिन्नता को समझना आज के समाज के लिए भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था

बुराई पर विजय: क्या रावण सच में मर गए?

- डॉ प्रियंका सौरभ

दशहरा, जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है, हमारे समाज में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस दिन रावण का दहन करके यह संदेश दिया जाता है कि बुराइयाँ समाप्त हो जाएँ और धर्म और नैतिकता की स्थापना हो। परंतु आज के दौर में यह पर्व केवल उत्सव और मनोरंजन का साधन बनता जा रहा है। रावण दहन के पुतले जलते हैं, मगर समाज में व्याप्त रावण झ्र यानी अपराध, दुराचार और नैतिक पतन झ्र लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

हर साल दशहरे पर लोग बड़े उत्साह के साथ रावण के पुतले फोड़ते और जला देते हैं। इसका उद्देश्य हमेशा यह रहा कि बुराइयों का नाश हो और अच्छाई की विजय हो। लेकिन वर्तमान समाज में यह प्रतीकात्मक क्रिया केवल दृश्य मनोरंजन बनकर रह गई है। लोग इसे देखने आते हैं, सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो डालते हैं, पर भीतर अपने जीवन या समाज में व्याप्त बुराइयों को बदलने का प्रयास नहीं करते। पुराने समय में रावण महाज्ञानी, शक्तिशाली और नीति पालन करने वाला शासक था। वह भगवान शिव का उपासक था, विद्वान था, और शूरवीर भी। उसकी एक गलती झ्र वासना के कारण सीता का हरण झ्र उसे नाश की ओर ले गई। रावण के जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि कोई भी व्यक्ति अपनी विद्वत्ता, शक्ति या संसाधनों के बल पर नैतिक पतन के मार्ग पर टिक नहीं सकता। यदि अहंकार और वासना हृदय पर हावी हो जाए तो विनाश निश्चित है। आज का समाज भी इसी तरह के रावणों से भरा है। पुराना रावण केवल एक व्यक्तित्व था, जबकि आज के रावण हर घर, गली, शहर और गाँव में विद्यमान हैं। अपराध, हत्या, दुष्कर्म, घरेलू हिंसा, रिश्वत और भ्रष्टाचार की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह केवल पुलिस या कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि समाज के नैतिक पतन का संकेत भी है।

हमारे दशहरे के पर्व में जलते पुतले यह दिखाते हैं कि बुराई का अंत हो गया। परंतु वास्तविकता यह है कि बुराई समाज में कहीं भी कम नहीं हुई। आज के ह्लरावणह्व धूर्त, अहंकारी और क्रूर हैं। वह अपने लाभ के लिए किसी की भी हानि करने से नहीं हिचकिचाते। दहेज के लिए पत्नी को जलाना, महिलाओं का अपहरण, बलात्कार और बच्चों पर अत्याचार झ्र ये केवल कुछ उदाहरण हैं। यह सब समाज में बड़े पैमाने पर घट रहा है। पुराने रावण ने अपने भीतर की इच्छाओं और अहंकार के कारण ही विनाश का मार्ग अपनाया। आज के रावण और भी खतरनाक हैं, क्योंकि वे केवल बाहरी शक्ति और कानून का इस्तेमाल करके अपने स्वार्थ साधते हैं। उनमें नैतिकता, ईमानदारी या धर्म के लिए कोई श्रद्धा नहीं है। परिणामस्वरूप, समाज में विश्वास और मानवता का संकट बढ़ता जा रहा है।

रावण दहन का असली उद्देश्य केवल पुतले जलाना नहीं है। यह हमें अपने भीतर के रावणों झ्र दोष, नकारात्मक भावनाओं और बुराइयों झ्र को पहचानने और दूर करने की शिक्षा देता है। जब तक हम अपने भीतर के अहंकार, द्वेष, झूठ, कपट और वासना को नहीं मारेंगे, तब तक समाज में स्थायी परिवर्तन संभव नहीं है। आपकी कविता ह्लजलते पुतले पूछतेह्व इस संदेश को बहुत सुंदर ढंग से व्यक्त करती है। इसमें यह दिखाया गया है कि पुतले जलते हैं, पर असली रावण समाज में बढ़ते ही रहते हैं। हर वर्ष रावण का वध होता है, लेकिन मन में रावण कहीं और पनपता है। इसका अर्थ यही है कि बाहरी उत्सव केवल प्रतीकात्मक क्रिया है, जबकि असली युद्ध हमें अपने अंदर करना है। आज का समाज शिक्षित और जागरूक है, पर फिर भी बुराइयाँ बढ़ रही हैं। अपराध, दुष्कर्म, घरेलू हिंसा, भ्रष्टाचार, अनैतिक व्यापार झ्र ये सभी आधुनिक रावणों के उदाहरण हैं। बच्चों और युवाओं पर इसका विशेष प्रभाव पड़ता है। यदि हम केवल रावण दहन के उत्सव में आनंद लेते रहेंगे और बुराइयों के खिलाफ वास्तविक प्रयास नहीं करेंगे, तो यह उत्सव खाली प्रतीक बनकर रह जाएगा। दशहरे का असली अर्थ तब पूरा होता है जब हम अपने भीतर के दोषों का संहार करें। झूठ, कपट, अहंकार, वासना और द्वेष झ्र इन्हें पहचानकर दूर करना ही असली विजय है। यह केवल सामाजिक और नैतिक सुधार का मार्ग नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत उन्नति का भी मार्ग है। रावण का जीवन अत्यंत शिक्षाप्रद है। वह महाज्ञानी था, पर अहंकार और वासना के कारण विनष्ट हुआ। यही शिक्षा आज के समाज के लिए महत्वपूर्ण है। हमें यह समझना होगा कि बाहरी प्रतीक केवल मार्गदर्शन कर सकते हैं; वास्तविक परिवर्तन अंदर से होना आवश्यक है।

समाज में बदलाव केवल व्यक्तियों के प्रयास से संभव है। माता-पिता, शिक्षक, समाज के वरिष्ठ लोग और नीति निमार्ता सभी को मिलकर युवाओं और बच्चों में नैतिक शिक्षा, सदाचार और मानवता का बीज बोना होगा। तभी दशहरे का वास्तविक संदेश झ्र बुराई पर अच्छाई की विजय झ्र साकार हो सकता है। यदि हम चाहते हैं कि रावण दहन का पर्व केवल जलते पुतलों तक सीमित न रहे, तो हमें अपने अंदर झूठ, कपट, अहंकार और द्वेष का अंत करना होगा। अपने समाज के भीतर व्याप्त अपराध और अनैतिकता पर विजय पाना होगा। तभी दशहरे का त्योहार न केवल उत्सव बनेगा, बल्कि वास्तविक रूप से समाज सुधार और नैतिकता का प्रतीक बनेगा।

मातोश्री फाउंडेशन नागरिकों की मदद के लिए अच्छा विकल्प

कल्याण(उत्तरशक्ति)। भारी बारिश के कारण राज्य के कई हिस्सों में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जनसेवक महेश गायकवाड़ बीड ज़िले के माजलगाँव तालुका के गंगामसाला, अबेगाँव और सुरुमगाँव गाँवों में बाढ़ प्रभावित नागरिकों की सहायता के लिए आगे आए हैं। मातोश्री गुंजई फाउंडेशन के माध्यम से इन गाँवों में आवश्यक वस्तुओं के साथ-साथ खाद्यान्न भी पहुँचाया गया। बाढ़ प्रभावित नागरिकों की मदद के लिए खाद्य पदार्थ गद्दे, से लेकर दैनिक उपयोग की सामग्री से भरे दो टेंपो भेजे गए। इस अवसर पर जनसेवक महेश गायकवाड़ ने कहा,आपदा के समय एक-दूसरे के साथ खड़े रहना हमारा सामाजिक कर्तव्य है। मैंने बाढ़ प्रभावित परिवारों को कुछ राहत प्रदान करने के लिए यह सहायता राशि भेजी है। मेरा लक्ष्य समाज द्वारा दिए गए विश्वास पर खरा उतरना है। इसी तरह शहर या राज्य कही पर भी मदद की जरूरत रहेगी मातोश्री फाउंडेशन के माध्यम से नागरिकों की सेवा जारी रहेगी।

रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज ने जिला स्तरीय अंतर-विद्यालयीन बास्केटबाल प्रतियोगिता में जीत दर्ज कर बनी चैम्पियन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी । भिवंडी मनपा एवं थाना जिला खेल विभाग द्वारा शनिवार 27 सितंबर 2025 को रईस हाई स्कूल बास्केटबाल कोर्ट पर अंतर-विद्यालयीन एवं कनिष्ठ महाविद्यालयीन बास्केटबाल प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें रईस स्कूल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये चैम्पियन की दावेदार बनी। बतादें कि प्रतियोगिता में भिवंडी तालुका के 18 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की कुल 28 टीमों ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में 19वर्ष,17 वर्ष और14 वर्ष आयु वर्ग की टीमों के बीच खेली गयी थी जिसमें रईस हाई स्कूल एवं जूनियर कालेज भिवंडी की ओर सै 19 वर्ष आयु वर्ग की टीम ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। कैप्टन कुरैशी अली मुहम्मद आसिफ के नेतृत्व में लड़कों ने अंतिम प्रतियोगिता में सिस्टर निवेदिता हाई स्कूल की टीम को 1-0 से हराकर प्रतियोगिता जीत कर संभागीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए। इसी तरह 17 वर्ष आयु वर्ग में कप्तान ओसामा के मार्गदर्शन में तपोवन हाई स्कूल की टीम को 2-0 से हराकर प्रतियोगिता में जीत हासिल किया। छात्रों को जाकिर अंसारी, मुसय्यब मोमिन और इकरा शेख ने प्रशिक्षित किया था। छात्रों की इस शानदार सफलता पर केएमई सोसाइटी के अध्यक्ष अल्माज फकीह, सचिव दानियाल काजी, कोषाध्यक्ष फहद बोबेरे, खेल समिति के अध्यक्ष दानिश मदू चेयरमैन यासर तातली, प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी, उप-प्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी, सहायक मुख्यध्यापक मुख्लिस, पर्यवेक्षक असरार पठान सिब्तैन काशेलकर, समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी एवं समस्त स्टाफ ने सफल छातों और मार्गदर्शन करने वाले शिक्षकों को बधाई दी है।

'पीएनजी ज्वेलर्स' के नये भव्य स्टोअर का दादर में उद्घाटन

मुंबई। 'पीएनजी ज्वेलर्स' ने मुंबई के दादर में अपनी नई शाखा (दालन) शुरू की है और प्रसिद्ध अभिनेता स्वप्निल जोशी और रश्मिताई ठाकरे की उपस्थिति में इस शाखा का उद्घाटन किया गया। मुंबई के दादर में शुरू की गई यह शाखा मुंबई की मुख्य शाखा होगी।

रानडे रोड, दादर पश्चिम पर विस्तारित इस स्टोर में 'पीएनजी ज्वेलर्स' के सोने, हीरे, चांदी और प्लेटिनम के आभूषणों का कलेक्शन देखने को मिलेगा। अभिनेता स्वप्निल जोशी ने इस अवसर पर अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि, 'पीएनजी ज्वेलर्स' का नाम हर महाराष्ट्रीयन घर में आदर से लिया जाता है। दादर में यह नई शाखा खोलकर, 'पीएनजी ज्वेलर्स' मुंबई में अपनी मराठी मानुष की परंपरा को बनाए रख रहे हैं। रश्मिताई के साथ इस अवसर पर उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हुई। 'पीएनजी ज्वेलर्स' के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा कि, ‟मुंबई ने हमेशा पीएनजी ज्वेलर्स को विश्वास और अपनेपन के साथ स्वीकार किया है। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक और सामाजिक ताने-बाने से जुड़े दादर में मुंबई की मुख्य शाखा खोलना हमारे लिए बहुत खास और गर्व का विषय है। हमें उम्मीद है कि दादर स्टोर मुंबई में हमारे ग्राहकों के लिए एक प्रकाशस्तंभ (लाइटहाउस) बनेगा।शाखा के उद्घाटन के अवसर पर, नवरात्रि के कारण स्टोर में आने वाले ग्राहकों को सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्जेज पर ५० प्रतिशत तक की छूट, हीरे के आभूषणों के मेकिंग चार्जेज पर १०० प्रतिशत तक की छूट, तथा सोने के एक्सचेंज पर ० प्रतिशत की कटौती (घट) मिलेगी।

श्री साईंराज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लि. द्वारा मनाया गया अध्यक्ष गिरजेश सिंह का जन्मदिन

पालघर(उत्तरशक्ति/ अजीत सिंह)। जिले के बोईसर तारापुर एमआईडीसी क्षेत्र के सालवड ग्राम पंचायत अंतर्गत शिवाजी नगर स्थित श्री साईराज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड के कार्यालय में बुधवार 1 अक्टूबर को एक विशेष आयोजन के तहत सोसायटी के अध्यक्ष गिरजेश राजकिशोर सिंह का 57वां जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास व उत्साह के माहौल में मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत विधि से दीप प्रज्वलन कर तथा अध्यक्ष श्री सिंह द्वारा केक काटकर की गई। पूरे कार्यालय में इस अवसर पर बधाइयों और शुभकामनाओं की गूंज सुनाई दी। उपस्थित सदस्यों व अतिथियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने भी अध्यक्ष के व्यक्तित्व और कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में श्री साईराज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी ने समाज में विश्वास और सहयोग की एक नई मिसाल कायम की है। अंत में अध्यक्ष गिरजेश राजकिशोर सिंह ने सभी शुभचिंतकों, सोसायटी के कर्मचारियों और आम नागरिकों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि ‟यह प्यार और सम्मान ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। मैं वचन देता हूं कि भविष्य में भी समाज की सेवा को अपना सर्वोच्च ध्येय बनाकर कार्य करता रहूंगा।‟ इस अवसर पर भाजपा नेता तुलसीराम केवट, समाजसेवी उदयराज शुक्ला, धर्मावलंबी जयकुमार पटवा, राकेश पाण्डेय, अतुल श्रीवास्तव, सोसायटी स्टॉप अर्पणा पुरव,पिंकी साहू, पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी व अजीत सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। सभी ने अध्यक्ष गिरजेश राजकिशोर सिंह को पुष्पगुच्छ भेंटकर जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी और उनके स्वस्थ, दीघार्यु व समाजसेवा में निरंतर सक्रिय बने रहने की कामना की।

रामनवमी को मां जगदम्बा का लगा जयकारा

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका स्वास्थ्य चिकित्सा विभाग कर्मचारी? एक परिवार के रुप में मिलकर प्रतिवर्ष शारदीय नवरात्रि में मां जगदम्बा की आराधना, पूजन व आरती करते हैं।इस वर्ष भी वरिष्ठ निरीक्षक सुनील मोरे के आवास पर मंगलवार दिनांक 30 सितंबर 2025 को भक्तों ने सायंकाल 6 बजे मां जगदम्बा का पूजन-अर्चन उपरांत जयकारा लगाया तथा प्रसाद ग्रहण किया। बुधवार दिनांक 1 अक्टूबर 2025 को दसमीं की पूर्व संध्या पर? कर्मचारियों ने मां जगदम्बा एवं श्रीगणेश जी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर आरती किया।उक्त आयोजन में सनातनी भक्तों में कवि विनय शर्मा दीप,सुनील कर्पे,सुनील मोरे,अमित शिन्दे,किरण सोनावणे, रविन्द्र पाटील,नवीन चोपड़े,हीरा वसावे, भारती पेडणेकर, ऋषिकेश कदम,समन्वयक मनेष बनकर, समन्वयक अमोल कांबले,गीरिस गुंजीकर,समन्वयक श्याम खोबरागड़े,दुधम रघुनाथ आदि उपस्थित थे।

प्रोटेक कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र में धूमधाम से मनाया गया नवरात्रोत्सव

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले बोईसर शहर अंतर्गत चित्रालय, सम्राट होटल के पास स्थित प्रोटेक कंप्यूटर प्रशिक्षण एवं इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स सेंटर में बुधवार 1 अक्टूबर को नवरात्रोत्सव बड़े हर्षोल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मिलकर माता रानी की आरती उतारी और ज्ञान एवं विद्या की देवी से आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत हुई। विद्यार्थियों और स्टाफ ने पारंपरिक परिधानों में गरबा एवं डांडिया की शानदार प्रस्तुतियां दीं। पूरे माहौल में भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। संस्थान के संचालक सचिन जाधव ने कहा कि ‟नवरात्रि केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, उत्साह और सांस्कृतिक मूल्यों को जीवंत करने का अवसर भी है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ ऐसे आयोजनों में भाग लेने से आत्मविश्वास और सामाजिक जुड़ाव की भी सीख मिलती है।‟ इस मौके पर केंद्र के सभी स्टाफ सदस्य, प्रशिक्षक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में सभी की सहभागिता उल्लेखनीय रही।

त्रिमूर्ति साई सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित नवरात्रोत्सव हवन व भंडारे के साथ संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर के भैया पाड़ा स्थित श्री दुर्गा मंदिर परिसर में त्रिमूर्ति साई सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से नवरात्रोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। दस दिनों तक श्रद्धा और भक्ति से सजे इस आयोजन का समापन हवन, रामचरित मानस पाठ व विशाल भंडारे के साथ हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य आयोजक जिलेदार वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह धार्मिक आयोजन पिछले कई वर्षों से लगातार हो रहा है। श्रद्धालुओं की आस्था और सहयोग से हर वर्ष इस पर्व को और भी भव्य रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में भी इसी तरह से नवरात्रोत्सव का आयोजन कर भक्तों को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कराई जाएगी। समापन अवसर पर श्री साईंराज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड के अध्यक्ष गिरजेश राजकिशोर सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक, स्थानीय समाजसेवी, महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने माता रानी की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल रहा। रामचरित मानस के पाठ से वातावरण गूंज उठा, वहीं हवन में आहुति देते समय श्रद्धालुओं ने धर्म और समाज की उन्नति की कामना की। हवन के उपरांत आयोजित भंडारे में सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ उठाया।

रामलीला मंचन में बड़े हनुमान जी द्वार लंका दहन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा

-आदेश मिश्र

मुंबई। श्री रामलीला उत्सव समिति पार्कसाईट द्वारा आयोजित भव्य रामलीला मंचन में मंगलवार नौवें दिन सीता की खोज,लंका दहन,विभीषण शरणागत जैसे अद्भुत प्रसंगों को भक्ति भाव से मंचित किया गया। मंचन के दौरान बाहुबली ‟बड़े हनुमान‟ जी द्वारा लंका दहन का दृश्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा,जिसके बाद श्रद्धालुओं को हनुमान जी की झांकी दिखाई गई। कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर मंच पर उपस्थित भारतीय सदविचार मंच के संस्थापक प्रखर समाजसेवी पिता तुल्य डॉ राधेश्याम तिवारी, पिता तुल्य कृष्णकांत शुक्ला,उत्तर भारतीय संघ युवा मोर्चा अध्यक्ष संजय सिंह,उद्योगपति एस पी सिंह, सदविचार मंच के अध्यक्ष शिवश्याम तिवारी,समाजसेवी राजेश तिवारी, शुभम ट्रेवल्स के अधिष्ठाता राजेश दुबे,मुंबई कांग्रेस कोषाध्यक्ष संदीप शुक्ला,शिव सेना नगरसेवक प्रतिनिधि एवं घाटकोपर उप विभाग प्रमुख (उद्धव गुट) सुनील सयाजी मोरे,शाखा प्रमुख प्रकाश भेकरे, मुंबई कांग्रेस गुजराती विभाग अध्यक्ष केतन शाह, पत्रकार अविनाश पांडेय, वंचित अघाड़ी के सागर गवई, होलार समाज के महादेव जावीर, महिला शिवसेना नेता सुषमा ठाकुर,आशीष तिवारी,भाजपा ईशान्य मुंबई उपाध्यक्ष संजय शर्मा,एड डी आर मिश्रा,समाजसेवी विपिन सिंह, तुफैल भाई, एड हिमांशु सिंह, पत्रकार अखिलेश तिवारी,पवन पाठक, संतोष पाठक, समाजसेवी देवेंद्रप्रताप सिंह,अमोल बेलवलकर, कांग्रेस के नितिन पाटिल, मनोज राजभर, अमित दुबे सहित अन्य गणमान्य लोगों का समिति अध्यक्ष श्री प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल एवं समिति के लोगों के द्वारा श्रीरामनामी शाल पुष्पगुच्छ संकल्प पत्रिका भेंटकर भव्य स्वागत किया गया।और बुधवार को सेतुबंध रामेश्वरम, शिव लिंग स्थापना व पूजन,अंगद रावण संवाद, लक्ष्मण शक्ति, मेघनाथ वध, कुंभकरण वध आदि लीला मंचित किया गया।आज 2 अक्टूबर को दोपहर में सांस्कृतिक कार्यक्रम और शाम को पुतला दहन, श्रीराम राज्या भीषेक झांकी की प्रस्तुति।तथा 3 अक्तूबर को दोपहर में बिरहा का जंगी मुकाबला तथा शाम 5 बजे से अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान श्री रामलीला मैदान हजारों श्रद्धालु प्रेमियों से भरा हुआ था। इस मौके पर सभी श्रद्धालु भक्तगणों से आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस पुण्य अवसर का लाभ उठाएँ। इस मौके पर समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल,दिवाकर मिश्र, सर्वदेव पांडेय, दलजीत पांडेय, आदेश मिश्र, दिव्यप्रकाश तिवारी,भोलानाथ मिश्रा, राजेश सिंह, विमलेश मिश्र,रत्नेश शुक्ल, संजय मिश्रा,बृजेश शुक्ला,अरविंद शुक्ल,राजन सिंह,चंद्रमणि सिंह, राजेश सिंह,प्रदीप मिश्रा,संदीप शुक्ला,प्रशांत सी शुक्ल, प्रमुख राहुल शुक्ल,आशीष तिवारी, शुभम सिंह, प्रदीप मिश्रा, ब्रह्मदेव दुबे, रामतीरथ शर्मा,एड सुमित पाल, रमापति यादव, तपस्वी चौरसिया, संदीप दुबे, नीरज शुक्ला,अवधेश तिवारी,अशोक गुप्ता,राज मिश्रा, प्रेम सिंह,ऋषभ प्रथम शुभांशु प्रत्यूष शुक्ल,प्रेम तिवारी,सुरेश पांडेय और नवीन सिंह, पंच बहादुर वर्मा,आकाश दुबे,सुनील वर्मा,अंजनी यादव सहित तमाम आम जनमानस श्रद्धालु श्रोतागण की मौजूदगी में भव्य रामलीला का मंचन किया जा रहा है।

लंदन में रहने वाले भारतीय मूल के हिंदी के प्रख्यात कवि, ज्योतिषाचार्य और मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. ज्योति प्रकाश दुबे इन दिनों कवि सम्मेलनों में भाग लेने के लिए मुंबई आए हुए है। मुंबई प्रवास के दौरान उन्होंने चाणक्य फेम प्रसिद्ध निमार्ता निर्देशक डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी से मुलाकात की। छायाः उत्तरशक्ति

त्योहारों की रौनक में छुपा खामोश दुश्मन : बढ़ता Bad Cholesterol और दिल की बीमारी का खतरा

मुंबई। महाराष्ट्र में उत्सव का मौसम शुरू हो गया है। मिठाइयों, तले हुए पकवानों, देर रात तक जगने और भागदौड़ के बीच एक गंभीर स्वास्थ्य संकट चुपचाप बढ़ रहा है–Bad Cholesterol (LDL)। यह ऐसा खतरा है जो शुरूआती लक्षण नहीं दिखाता। सालों तक धीरे-धीरे धमनियों में जमता रहता है और अचानक दिल का दौरा या स्ट्रोक बनकर सामने आता है। राज्य में हर चौथा वयस्क उच्च कोलेस्ट्रॉल से पीड़ित है, जिससे महाराष्ट्र देश के शीर्ष पाँच राज्यों में शामिल हो गया है। पूरे भारत में लगभग 81% लोगों की लिपिड प्रोफाइल असंतुलित है–कहीं LDL अधिक, कहीं HDL कम या ट्राइग्लिसराइड्स ज्यादा। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अब यह बीमारी युवाओं को भी तेजी से प्रभावित कर रही है। भारत में आधे से अधिक दिल के दौरे 50 साल से पहले होते हैं और हर चौथा रोगी 40 साल से पहले ही प्रभावित हो जाता है। पहले दिल के दौरे की औसत आयु केवल 53 रह गई है, जो पश्चिमी देशों से काफी कम है। त्योहारों का मौसम इस खतरे को और तेज कर देता है। भारी भोजन, मिठाइयाँ, तैलीय स्नैक्स, नींद की अनियमितता और तनाव कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर दोनों को बढ़ाते हैं। अब गाँवों में भी यही पैटर्न दिख रहा है। पारंपरिक संतुलित आहार की जगह पैकेज्ड और जंक फूड तथा कम शारीरिक गतिविधि ने स्थिति और बिगाड़ दी है। डॉ. भुपेन एन. देसाई, गोल्ड मेडलिस्ट, MBBS, MD, DNB, DM (कार्डियोलॉजी), फेलो अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी और यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी, देसाई हार्ट केयर क्लिनिक, मुंबई, कहते हैं “BÔd Cholesterol (LDL) सबसे खतरनाक इसलिए है क्योंकि यह चुपचाप बढ़ता है। मरीज को कोई तकलीफ नहीं होती, लेकिन धीरे-धीरे यह धमनियों को जाम करता है और फिर अचानक दिल का दौरा या स्ट्रोक हो जाता है। त्योहारों में अधिक खानपान और अनियमित दिनचर्या से खतरा और भी बढ़ जाता है। इसलिए कोलेस्ट्रॉल की जाँच ब्लड प्रेशर की तरह ही नियमित होनी चाहिए। स्टैटिन्स अब भी इलाज का मुख्य आधार हैं, लेकिन सभी रोगियों पर समान असर नहीं होता। कई मरीज दवाएँ रोजाना लेने में असमर्थ रहते हैं।

नवरात्रि के पावन अवसर पर मुंबई में घटस्थापना और नवरात्रोत्सव की धूम

मुंबई। नवरात्रि के शुभ अवसर पर संपूर्ण भारतवर्ष में माता रानी के जयकारों से गूंज उठी गलियाँ, वहीं मुंबई में भी विभिन्न स्थानों पर नवरात्रोत्सव बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। जगह-जगह पर घटस्थापना और मां दुर्गा की भव्य मूर्तियों की स्थापना की गई, जिससे भक्तों को दर्शन लाभ प्राप्त हुआ। मुंबई के सांताक्रूज (पूर्व) स्थित वाकोला में ‟न्यू मराठा मित्र मंडळ‟ द्वारा आयोजित नवरात्रोत्सव में विशेष आयोजन देखने को मिला। मंडल द्वारा सस्नेह निमंत्रण पर अनेक श्रद्धालु माता जी के दर्शन के लिए उपस्थित हुए और महाप्रसाद का लाभ लिया। मां दुर्गा को अर्पित भोग के उपरांत महाप्रसाद सभी भक्तों में वितरित किया गया। इस अवसर पर मंडल के प्रमुख प्रमोद ठाकूर जी ने आए हुए सभी अतिथियों का माता जी की शॉल और श्रीफल भेंट कर सत्कार किया और आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समाजसेविका और गृह संकुल इमारत प्रमुख श्रद्धा गोरगे, ज्योतिषाचार्य सुखबिंदर सिंह (लालाभाई) समेत कई गणमान्य व्यक्तियों ने माता रानी के दर्शन किए और एक-दूसरे को नवरात्रि एवं विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मंडल द्वारा आयोजित यह उत्सव भक्तों के लिए भक्ति, सामाजिक समरसता और उत्सव का केंद्र बना रहा।

लैब-ग्रोन डायमंड ब्रांड लुसीरा ज्वेलरी ने मुंबई के चेंबूर में खोला पहला स्टोर

मुंबई। डिजाइन-फर्स्ट फाइन ज्वेलरी ब्रांड लुसीरा ज्वेलरी भारत में सस्टेनेबल लक्जरी को नई परिभाषा दे रहा है और अब लुसीरा ज्वेलरी ने मुंबई के चेंबूर में अपना पहला एक्सपीरियंस स्टोर खोला है। यह लॉन्च ब्रांड की सितंबर 2025 में घोषित 5.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिकॉर्ड सीड फंडिंग के बाद हुआ है, जो अब तक भारत के किसी भी लैब-ग्रोन डायमंड स्टार्टअप के लिए सबसे बड़ी सीड फंडिंग है। चेंबूर में स्थित ८०० वर्गफुट का यह स्टोर डिस्कवरी स्पेस की तरह डिजाइन किया गया है, जहाँ क्राफ्ट्समैनशिप और एवरीडे वियरबिलिटी का संगम है। यहाँ ग्राहक जीवन के बड़े और छोटे पलों के लिए ब्रांड की सिग्नेचर डायमंड कलेक्शन–हेक्सा, ऑन द मूव–से लेकर सदाबहार आकर्षण वाले सॉलिटेयर्स सेक्शन तक सब कुछ एक्सप्लोर कर सकते हैं। स्टोर लॉन्च पर लुसीरा ज्वेलरी के सह-संस्थापक रूपेश जैन ने कहा, ‟मजबूत डिजिटल फाउंडेशन बनाने के बाद मुंबई में हमारा पहला फिजिकल स्टोर खोलना ग्राहकों के साथ सार्थक जुड़ाव बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लैब-ग्रोन डायमंड्स आज के उन उपभोक्ताओं के लिए कॉन्शस चॉइस हैं जो ब्यूटी विदाउट कॉम्प्रोमाइज चाहते हैं। यह चेंबूर स्टोर वह स्थान है, जहाँ हमारी डिजाइन फिलॉसफी और ईको-कॉन्शस विजन साकार होते हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

75 वर्षीय बुजुर्ग ने 40 वर्षीय विधवा से रचाई शादी, सुहागरात के दूसरे दिन ही हुई मौत

गौराबादशाहपुर,जौनपुर(उत्तर शक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कुछमुछ गांव में एक अजीबोगरीब घटना उस वक्त देखने को मिली जब एक 75 वर्षीय बुजुर्ग ने 40 वर्षीय विधवा महिला से शादी रचाई तथा सुहागरात के अगले दिन सुबह तबीयत खराब हुई और चिकित्सक के पास ले जाने पर चिकित्सक ने बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया। कुछमूछ गांव निवासी संगरू 75 की पत्नी अनारी 65 की 1 साल पूर्व मौत हो गई थी। पति-पत्नी के पास कोई औलाद नहीं थी। कुछ रिश्तेदारों की सलाह पर जनपद जौनपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र के बैजा रामपुर निवासी मनभावती 40

से संगरू ने विवाह करने का फैसला किया। मनभावती के पति की 7 साल पूर्व मौत हो चुकी थी तथा उसके पहले पति से काजल अंजलि पुत्री और शिवा पुत्र है। सोमवार को नवरात्रि के पावन पर्व को देखते हुए शादी के लिए चुना गया तथा मंदिर में रिश्तेदारों की उपस्थिति में संगरू ने मनभावती से विवाह कर अपने जीवन संगिनी बनाया तथा उसके पुत्री और पुत्र सहित अपने घर कुछमुछ ले आए। रात को पति-पत्नी ने एक ही कमरे में आराम किया। मंगलवार की सुबह अचानक संगरू की तबीयत बिगड़ गई जिस पर आस पड़ोसी के लोग जौनपुर उजाला हॉस्पिटल में ले गए जहां चिकित्सकों ने देखते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना की चर्चा क्षेत्र में बहुत जोर-जोर शोर से होती रही। इस संदर्भ में पूछे जाने पर थाना अध्यक्ष प्रवीण यादव ने बताया कि फिलहाल गौरव बादशाहपुर थाने पर ऐसी किसी घटना की सूचना नहीं दी गई है यदि कोई तहरीर मिलती है तो कार्यवाही की जाएगी। फिलहाल समाचार संप्रेषण तक संगरू का शव घर पर रखा हुआ था तथा मुखाग्नि देने के लिए मुम्बई से भतीजे के आने का इंतजार किया जा रहा था।

जौनपुर में स्वास्थ्य विभाग की मेहरबानी से फर्जी अस्पतालों का साम्राज्य, मरीजों की जिंदगी से हो रहा खेल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वास्थ्य सेवाओं पर सख्ती बरतने के बजाय विभाग की मेहरबानी से जिले में अवैध और मानकविहीन अस्पतालों का जाल तेजी से फैल रहा है। नगरीय क्षेत्र से लेकर गांव-गिरांव तक सैकड़ों हॉस्पिटल बिना मानक और रजिस्ट्रेशन के धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इनमें से आधे से अधिक हॉस्पिटल का तो पंजीकरण तक नहीं है। बावजूद इसके विभाग ने इन्हें आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों का इलाज करने की जिम्मेदारी तक सौंप दी है। नगर के नईगंज इलाके को तो अस्पतालों का ”हब” कहा जाने लगा है। यहां आधे से ज्यादा अस्पताल बिना अनुमति और नियम-कायदे के चल रहे हैं। कई जगह दावा बेचने का लाइसेंस लेकर सीधे अस्पताल खोल दिया गया है। इन अस्पतालों में सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर गुपचुप बैठते हैं, जबकि गांवों में तैनात स्वास्थ्यकर्मी और इलाके के दलाल इनके लिए ”स्लीपर सेलर” की तरह काम करते हैं। यही लोग भोले-भाले और कम पढ़े-लिखे ग्रामीण मरीजों को बहला-फुसलाकर इन अस्पतालों तक खींच लाते हैं। इलाज हो पाए या न हो पाए, मगर इन हॉस्पिटलों में पहुंचे मरीज और उनके तीमारदारों का आर्थिक व मानसिक शोषण तय माना जाता है। भारी-भरकम बिल और अव्यवस्थित इलाज से लोग बेहाल हो जाते हैं। सूत्रों की मानें तो इन अवैध अस्पतालों के संचालक स्वास्थ्य विभाग के कुछ जिम्मेदार लोगों की जेब गर्म कर उनकी विशेष कृपा पाते हैं। इतना ही नहीं, यह खेल बिजली विभाग तक फैला हुआ है, जहां ये फर्जी अस्पताल संचालक मोटा नुकसान पहुंचाकर भी सुरक्षित रहते हैं। फिलहाल, सवाल यह है कि क्या मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले इन अवैध अस्पतालों पर कभी लगाम लग पाएगी, या विभाग की मेहरबानी से यह खेल ऐसे ही चलता रहेगा?

इस पूरे नेटवर्क और इसके गोरखधंधे की सच्चाई अगले अंक में विस्तार से उजागर की जाएगी। पढ़ते रहे आप उत्तरशक्ति न्यूज।

आजमगढ़ में प्रतिभा निकेतन इंटर कॉलेज में डांडिया नृत्य का किया गया आयोजन

बालक एवं बालिकाओं द्वारा बहुत ही आकर्षक ढंग से किया गया प्रदर्शन

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। प्रतिभा निकेतन इंटर कॉलेज एटलस पोखरा आजमगढ़ के प्रांगण में डांडिया नृत्य का

आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ लालगंज से बीजेपी के निवर्तमान अध्यक्ष सूरज प्रकाश श्रीवास्तव, विद्यालय की संरक्षिका सरस्वती वर्मा एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सरायमीर की प्रधानाचार्या डॉक्टर संध्या वर्मा ने संयुक्त रूप से मां दुर्गा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डांडिया का आयोजन प्राइमरी, जूनियर एवं सीनियर वर्ग के बालक एवं बालिकाओं द्वारा अपने-अपने ग्रुप में बहुत ही आकर्षक ढंग से अपना प्रदर्शन किया गया, जिसका लुफ्त सभी अभिभावक एवं अतिथिगणों ने बच्चों का हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सूरज प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि डांडिया हमारे देश का एक प्रचलित नृत्य है जो गुजरात से चलकर उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में छाया हुआ है कहीं न कहीं यह नृत्य हमें यह सिखाता है कि हमारा देश विविधताओं का देश है। इस समय नवरात्र चल रहा है शक्ति की देवी मां जगदंबा का दिन है इसलिए हम इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते कि आज भी हमारे बीच में शक्ति है, विद्यालय के बच्चों का इतना सुंदर प्रदर्शन देखकर के हम इसका अंदाजा लगा सकते हैं कि इनमें कितनी प्रतिभा और लगन है और मैं उन शिक्षकों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने कार्यक्रम को इतनी अच्छी तरह से तैयार कराया है। बच्चों के नृत्य के बाद सभी महिला अभिभावकों ने भी डांडिया का लुफ्त उठाया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक रमाकांत वर्मा ने सभी अतिथियों, अभिभावकों का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य ध्रुव चंद मौर्य ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की।

खम्बे में उतर रहे करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत, ग्रामीणों ने थाने में किया जमकर हंगामा

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद में बिजली से हो रही मौतों का सिलसिला रुकने का नाम नही ले रहा है कुछ दिनों पहले ही जौनपुर के मछली शहर पड़ाव पर विद्युत विभाग की लापरवाही से हुई तीन मौत का अभी ठंडा भी नही हुआ था की। बीती रात एक नौजवान गरीब मजदूर की जान बिजली ने ले ली।अब इसमें किसकी जवाबदेही तय होगी किसकी लापरवाही मानी जायेगी ये जांच जांच खेल के बाद समझ मे आएगा। बताता जाता है की कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बकुची नेवादा थाना शाहगंज निवासी 24 वर्षीय राजकुमार पुत्र रमेश कुमार गौतम मजदूरी का काम करता है। त्योहारों के सीजन में उसे नगर के पुराना चौक निवासी एक व्यक्ति द्वारा नगर में जगह जगह बोर्ड लगने का काम मिला था।बीती रात लगभग दो बजे राजकुमार एक नए होटल का बोर्ड आजमगढ़ रोड स्थित एक होटल के बाहर लगा रहा था।बोर्ड को सपोर्ट देने के लिए रस्सी बांधना था।आरोप है राजकुमार ने ठेकेदार से को चेताया था की खम्बे से बोर्ड को बांधना उचित नही है खतरा हो सकता है।

ठेकेदार ने जबरन खम्बे में बंधवाया बोर्ड: आरोप है बार बार मना करने के बाद भी

ठेकेदार ने खम्बे में स्पोर्ट लेकर बोर्ड बांधने को कहा। और जैसे ही राजकुमार ने खम्बे में रस्सी के सहारे से खम्बे में स्पोर्ट लेना चाहा तो पहले से प्रवाहित हो रहे करंट की चपेट में आगया और वही नीचे गिर तड़पने लगा।

मौके से फरार हुआ ठेकेदार: करंट लगने के बाद मौके पर मौजूद ठेकेदार वहां से फरार हो गया। आनन फानन में लोगों ने उपचार हेतु एक निजी नर्सिंग ले गए। जहां चिकित्सकों ने प्रथम दृष्टया मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने ठेकेदार के खिलाफ दिया लिखित तहरीर, विद्युत विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप

मौत की खबर से परिजनों में कोहराम: मजदूर राजकुमार की मौत की खबर सुनकर बुधवार की सुबह मामले की जानकारी पूरे नगर सहित आसपास तक पहुंच गई।आक्रोशित बकुची के ग्रामीण सैकड़ों की संख्या में पहुंच कर जमकर हंगामा किया और कठोर कार्यवाई की मांग की।

परिजनों ने ठेकेदार के खिलाफ दिया तहरीर: मृतक के भाई सन्तोष कुमार ने कोतवाली पुलिस को नामजद लिखित तहरीर देते हुए ठेकेदार राजकपूर उर्फ विक्की गुप्ता के खिलाफ तहरीर देते हुए कठोर कार्यवाई की मांग की। परिजनों ने तहरीर में विद्युत विभाग की लापरवाही की भी बात कही।

क्या बोले अधिशासी अभियंता: इस सम्बंध में एक्सईएन विद्युत विभाग शाहगंज ए.के. मौर्य ने कहा की मामला संज्ञान में है मैं स्वयं घटनास्थल पर गया था।उन्होंने आगे कहा की डबल पोल पर बिना अनुमति और बिना बिजली शट डाउन के बोर्ड लगाया जा रहा था।अगर पहले से अनुमति लेते या जानकारी देते तो बिजली शट डाउन करा दिया जाता तो ऐसी घटना को बचाया जा सकता था।हमने जांच कमेटी का गठन कर दिया है। एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट आजायेगी फिलहाल पुलिस को तहरीर दे दिया गया है।

मुकदमा दर्ज कर की जा रही है कार्यवाई: इस मामले में सीओ अजीत सिंह चौहान ने कहा की मृतक के भाई सन्तोष कुमार की तहरीर पर राजकपूर उर्फ विक्की के खिलाफ अभियोग दर्ज कर आगे की कार्यवाई की जा रही है।

दाण्डिया-गरबा व महाआरती का भव्य एवं दिव्य आयोजन

चन्द्रशेखर तिवारी की सांस्कृतिक शिक्षा की घोषणा

मानीकलाँ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्री बाल दुर्गा पूजा समिति, रामलीला मैदान गंगा चबूतरा मानीकलाँ के तत्वावधान में मंगलवार की शाम आयोजित

दाण्डिया-गरबा व महाआरती का कार्यक्रम भव्य और दिव्य वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री गणेशजी बालोद्यान सन्दहाँ के प्रधानाध्यापक चन्द्रशेखर तिवारी एवं एडवोकेट अमित तिवारी रहे। इस अवसर पर चन्द्रशेखर तिवारी ने समिति के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय में बच्चों को दुर्गा सप्तशती का अध्ययन कराया जाएगा, ताकि नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति और संस्कारों से प्रेरणा प्राप्त कर सके। वहीं एडवोकेट अमित तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि वे सदैव गरीबों तक न्याय पहुँचाने के लिए कार्यरत हैं। समाज की बहनों-बेटियों के साथ किसी भी प्रकार के अन्याय के विरुद्ध वे निःस्वार्थ भाव से कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि समाज में बेटियों को निडर और निर्भय वातावरण देना ही उनका संकल्प है। कार्यक्रम में मीनू प्रजापति के कुशल निर्देशन में बीनू, कुमकुम,चंदा के सहित सैकड़ों बालिकाओं ने दाण्डिया-गर्भा प्रस्तुत कर आकर्षण का केन्द्र बनीं। समिति अध्यक्ष सूरज बिन्द के साथ मनोज गुप्ता, हंसराज विश्वकर्मा, रमेश बिन्द,शुभम विद्यार्थी, साहुल, विवेक, बाँबी और अमन की विशेष भूमिका रही।

भव्य महाआरती में उपस्थित माताओं एवं बहनों ने चुनरी, नारियल व पुष्प अर्पित कर मां दुर्गा से मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। कार्यक्रम के प्रेरणा स्त्रोत पं.भास्कर तिवारी रहे। दिव्य वातावरण में सम्पन्न इस आयोजन की जनमानस ने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

जौनपुर के युवा अधिवक्ता आनन्द देव तिवारी बने प्रदेश महामंत्री युवा प्रकोष्ठ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर दीवानी न्यायालय के कर्मठ, जुझारू

एवं समाजसेवा के लिए सदैव तत्पर युवा अधिवक्ता आनन्द देव तिवारी (बाबा तिवारी) को उत्तर प्रदेश की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। संयुक्त अधिवक्ता महासंघ भारत ने उन्हें प्रदेश महामंत्री युवा प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश पद पर मनोनीत किया है। इसकी घोषणा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट हरिनाथ पाठक एवं राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री श्री राजेंद्र सिंह वैस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर की। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, लगन और सक्रियता को देखते हुए यह जिम्मेदारी उन्हें प्रदान की गई है। यह प्रस्ताव प्रांतीय अध्यक्ष शर्तेंदु चतुवेर्दी एवं महेंद्र प्रसाद शर्मा द्वारा रखा गया, जिस पर प्रांतीय वरिष्ठ महामंत्री अनूप धर दुबे ने संस्तुति दी। प्रदेश महामंत्री मनोनीत होने पर अधिवक्ता समाज एवं जिले के शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी और संगठन के फैसले की सराहना की। इस अवसर पर श्री तिवारी ने कहा कि ,मैं संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करूंगा। अधिवक्ता भाइयों के हितों की रक्षा करते हुए संगठन को नई दिशा दूंगा और इसके विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दूंगा। सभी पदाधिकारियों एवं शुभचिंतकों का हृदय से आभार। उनकी इस नियुक्ति से जिले के अधिवक्ताओं एवं सामाजिक कार्यकताओं में हर्ष की लहर व्याप्त है।

हुसैनी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन ने बड़ी किया रक्दान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हजरत इमाम हसन अस्करी अलैहिस्सलाम की विलादत पर हुसैनी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के तत्वाधान में बुधवार को जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में स्वैक्षिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर धर्मगुरु मौलाना सफदर हुसैन जैदी एवं जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सैफ खान मौजूद रहे, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया।

धर्मगुरु मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने रक्तदान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त चार लोगों की जान बचाता है और यह सबसे बड़ा दान है। रक्तदान से आप किसी की जिंदगी बचा सकते हैं। रक्त की कमी से होने वाली मौतों को रोकने में रक्तदान महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डॉ सैफ खान ने लोगो को जागरूक करते हुए कहाकि

स्वैक्षिक रक्तदान के दौरान आपकी स्वास्थ्य जांच की जाती है, जिससे आपको अपने स्वास्थ्य के बारे में जानकारी मिलती है। उन्होंने बताया कि रक्तदान करने से आपके शरीर में रक्त कोशिकाओं का पुनर्निर्माण होता है, जिससे आपका शरीर स्वस्थ रहता है। हुसैनी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सैय्यद हसन मेंहदी ने कहाकि रक्तदान एक महत्वपूर्ण कार्य है, जिससे आप किसी की जिंदगी बचा सकते हैं। इसलिए, स्वैक्षिक रक्तदान को बढ़ावा देना और लोगों को इसके बारे में जागरूक करना आवश्यक है। इस मौके पर हुसैनी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के महासचिव पत्रकार आरिफ हुसैनी, उपाध्यक्ष सैय्यद मुशरान जाफरी, सैय्यद शहनशाह हैदर, सैय्यद मोहम्मद अब्बास समर, सादिक रिजवी, अम्बर अब्बास खान, नौशाद, संजय, जावेद आदि के साथ बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बाल-बाल बचे बल्लू बिरयानी, दुकान में घुसा ट्रेलर, लाखों का नुकसान

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। एक तेज रफ़्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर एक होटल में घुस गई।जिससे कई लोग बाल बाल बच गए। बुधवार की दोपहर आयोध्या मार्ग की तरफ से आरही तेज रफ़्तार ट्रेलर जैसे ही नगर के मोहल्ला इराकियाना में पहुंची अचानक अनियंत्रित हो गयी और चौराहे पर स्थित बल्लू चिकन बिरयानी सेंटर में घुस गई।जिससे वहां अफरा तफरी मच गई।वही होटल मालिक बल्लू बिरयानी और कई लोग भी

बाल बाल बच गए। मगर रफ्तार अधिक होने के कारण लाखों के नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस भीड़ को हटाते हुए ट्रेलर को कब्जे में ले लिया। इसी बीच ट्रेलर चालक मौका देख फरार हो गया। घटना के समय लोगों में अफरा तफरी मची रही।

पूर्व अध्यक्ष बबलू सिंह को दी श्रद्धांजलि

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। स्थानीय नगर पंचायत रेणुकूट मंगलवार को शाम लगभग सात बजे पूरी तरह भावुक माहौल में डूबा रहा। जब पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष शिवप्रताप सिंह उर्फ बबलू सिंह की सातवीं पुण्यतिथि पर हजारों लोगों का सैलाब उनके आवास से कैंडल मार्च के लिए निकले जो हजारों के भीड़ देख लोगो के आखों में आंसू देखा गया और देर रात तक उनके

चाहने वाले उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि देते रहे। पूरा इलाका बबलू सिंह अमर रहे और हत्यारों को फांसी दो जैसे नारों से गूंजता रहा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नगर के विभिन्न क्षेत्रों से आए आमजन व्यापारी छात्र सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और राजनीतिक दलों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए लोगों ने कहा कि बबलू सिंह का व्यक्तित्व सिर्फ एक जनप्रतिनिधि का नहीं बलिक आम जनता के सच्चे हितैषी रहे। उनके निधन ने नगर को अपूरणीयछती पहुंचाई है। जिससे भुलाया नहीं जा सकता, बताया जाता है कि वर्ष 2019 में तत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष शिव प्रताप उर्फ बबलू सिंह की हत्या बिहार से बुलाए गए शूटरो द्वारा करा दी गई थी। इस जंघन वारदात ने पूरे जिले को हिला कर रख दिया था मामले में स्थानीय कई लोगो को गिरफ्तार किए गए थे लेकिन इतने वर्षों के बाद भी अदालत से फैसला नहीं आया है। श्रद्धांजलि सभा के बाद उनके आवास से विशाल केंडल मार्च निकाला गया था। यह जुलूस नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए पुलिस चौकी चौराहे तक पहुंचे हजारों की भीड़ जब मामबत्तियां जलाकर मार्च करती हुई निकली तो नगर की गलियां गम और आक्रोश दोनों से भर उठी। पुलिस चौकी चौराहे पर जन सैलाब ने बबलू सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी और नारे लगाते हुए हत्यारों को जल्द से जल्द फांसी देने की मांग की।

शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा का हुआ भव्य आयोजन

दिनेश विश्वकर्मा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्राम सभा सिरौली के बरियारपुर गांव में शारदीय नवरात्र मां दुर्गा का भव्य आयोजन गतवर्ष की भाती इस वर्ष माननीय राजेश मिश्रा के द्वारा किया गया। जिसमें गांव के सहयोगकर्ता के रूप में छोटू संदेश संदीप सोनू विकास दीपक आदि का अभिन्न योगदान आयोजन में रहा और सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जिसमे गांव के ग्राम प्रधान माननीय संजय गौतम और भावी ग्राम प्रधान प्रत्याशी माननीय सुखनिधान दुबे महेंद्र मिश्रा व मुलायम यादव, मिथलेश यादव मुकेश विश्वकर्मा रमेश महेश, अनिल विश्वकर्मा (अध्यापक) आदि मौजूदगी में हुआ।

ट्यूलिप अस्पताल में करंट से महिला की मौत मामले में पुलिस ने दर्ज किया केस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।नगर कोतवाली क्षेत्र के नईगंज स्थित ट्यूलिप हार्ट एंड किडनी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। इलाज के दौरान भर्ती महिला के परिजन पानी लेने गए थे, तभी अस्पताल परिसर में लगे वाटर कूलर में करंट उतरने से महिला को जोरदार झटका लग गया। पीड़ित महिला को तुरंत अस्पताल के डॉक्टरों के पास ले जाया गया, लेकिन बिना चेक किए ही उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति प्रदीप कुमार गौड़ निवासी सुईथाकला, थाना सरपतहा, जौनपुर ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी गुड़िया देवी अपनी सास के इलाज के दौरान अस्पताल में मौजूद थीं। पानी लेने गईं तो करंट की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने हंगामा किया और पुलिस को सूचना दी। कोतवाली पुलिस ने शिकायत के आधार पर अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच उप निरीक्षक सुनील यादव को सौंपी गई है।

जौनपुर में सड़क दुर्घटना में दो युवक की मौत

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बेलवार बाजार के पास मंगलवार की रात एक बाइक सवार दो युवक सड़क के किनारे लगे पोल से टकरा गए जिससे दोनों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुशमौल गांव निवासी धर्मेंद्र शुक्ल (28 वर्ष) पुत्र स्व०मनोज शुक्ल अपने पड़ोसी सूर्यभान बिंद (39 वर्ष) पुत्र यदुनाथ बिंद के साथ बाइक से बेलवार अपने घर कुशमौल जा रहे थे। रात करीब नौ बजे सड़क के किनारे लगे पोल से टकरा गए जिससे दोनों घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुजानगंज लाया गया जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष सुजानगंज फूलचंद्र पांडे ने बताया कि दोनों शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

विश्वविद्यालय में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता अभियान आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा निर्देशित सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने अधिकारियों के साथ सरस्वती सदन के उद्यान में सफाई की। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा की स्वस्थ जीवन के लिए सफाई का बहुत महत्व है। अपने कार्यालय को भी अपने घर की तरह ही हमें स्वच्छ रखना चाहिए। इसके साथ ही

विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों, संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, प्रभारियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोपहर 4 से 5:00 बजे तक अपने-अपने कार्यस्थलों एवं विश्वविद्यालय परिसर में सफाई कार्य में भाग लिया। इस अवसर पर कुलसचिव केश लाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, उप कुलसचिव अजीत सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, डॉ. विजय सिंह, डॉ. राहुल सिंह, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, एवं अन्य ने अपना योगदान दिया।

दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत में एक युवक की मौत, एक की हालत गंभीर

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत बड़ागांव बाजार के समीप सड़क दुघर्टना में दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत होने से एक युवक की मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

क्षेत्र के नयी आबादी मोहल्ला निवासी 40 वर्षीय अली अहमद पुत्र अब्दुल सत्तार मंगलवार की शाम बाइक से कादीपुर से अपनी पत्नी व एक बेटी घर आ रहें थे।कि जैसे ही बड़ागांव बाजार के समीप पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक की आमने सामने भिड़ंत हो गई जिसमे मौके पर अली अहमद की मौत हो गई। वहीं दूसरा व्यक्ति आजमगढ़ जनपद के दीदारगंज निवासी रोहन गौतम गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं चिकित्सकों ने उक्त घायल का प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। वहीं मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जौनपुर में फांसी लगाकर विवाहिता ने दी जान

रियाजुल हक

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के फरीदाबाद के पूरा कोदई निवासी विजय कुमार विश्वकर्मा की पत्नी लक्ष्मी (28) फांसी लगाकर जान दे दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात वह अपनी दो बेटियों के साथ अपने कमरे में चली गई थी। रात लगभग 9 00 भोजन बन जाने के बाद सास और जेठानी में उसे भोजन करने के लिए कहा तो उन्होंने कहा भोजन नहीं करूंगी। कुछ देर बाद उसके किसी संबंधी का फोन आया ,फिर उसे बुलाया गया तो अंदर से कोई जवाब नही आया तो परिजन घबराने लगे। काफी प्रयास के बाद भी कोई जवाब न मिलने पर किवाड़ को तोड़ कर देखा तो वह साड़ी के सहारे फांसी लगा ली थी। आनन-फानन में परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुजानगंज ले आए। स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पाते ही थाना अध्यक्ष फूलचंद पांडे हमराहियों के साथ स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में ले कर विधिक कार्यवाही में जुट गई। मायके वाले भी खबर पाते ही आ गए। समाचार लिखे जाने तक पुलिस को कोई तहरीर नहीं मिली है।

संघ के शताब्दी वर्ष का डाक टिकट : राष्ट्र जीवन की कर्तव्यनिष्ठ यात्रा का सम्मान

सुरेश गांधी

वाराणसी। 1925 में विजयादशमी के दिन शुरू हुआ यह संगठन आज अपने 100 वर्ष पूरे कर रहा है। यह यात्रा किसी राजनीतिक सत्ता का नहीं, बल्कि कर्तव्य आधारित राष्ट्र सेवा का प्रतीक है। संघ ने समाज को यह सिखाया कि अधिकार मांगने से पहले कर्तव्यों को निभाना आवश्यक है। शाखाओं में स्वयंसेवकों को अनुशासन, सेवा, राष्ट्रप्रेम और त्याग का संस्कार दिया जाता है। यही कारण है कि समाज जीवन के हर क्षेत्र में संघ के कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से योगदान करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष पर डाक टिकट का विमोचन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस संकल्प का प्रतीक है, जिसने संगठन को राष्ट्र जीवन की मुख्यधारा में एक अनुशासित और समर्पित शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया है। यह टिकट महज एक कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का सम्मान है, जो बताती है कि संगठित होकर, कर्तव्य और अनुशासन के पथ पर चलने वाला समाज किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विमोचन अवसर पर कहा, संघ के शताब्दी वर्ष का यह डाक टिकट, भारत के उन मूल्यों का स्मरण कराता है, जो हमें कर्तव्य को सर्वोपरि मानने की शिक्षा देते हैं। यह टिकट एक संगठन की स्मृति नहीं, बल्कि राष्ट्र जीवन की उस ऊर्जा का प्रतीक है, जिसने भारत को आत्मनिर्भरता, अनुशासन और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ाया है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित इस समारोह में वातावरण अनुशासन और गरिमा से भरा हुआ था। मंच पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ केंद्रीय संचार मंत्री, डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा संघ के प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। जैसे ही टिकट का अनावरण हुआ, पूरे सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी। उपस्थित जनों में स्वयंसेवकों, शिक्षाविदों, सांस्कृतिक क्षेत्र की हस्तियों और कई राज्यों से आए प्रतिनिधियों की उपस्थिति इस अवसर को ऐतिहासिक बना रही थी। हर चेहरे पर गर्व और उत्साह का भाव साफ झलक रहा था। इसी विषय पर आज तक, हिन्दुस्तान व जनसंदेश टाइम्स जैसे प्रतिष्ठित

समचार पत्रों में काम कर चुके सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी की विशेष बातचीत में संघ के काशी प्रान्त प्रचारक रमेश जी ने अपने विचार रखे। प्रस्तुत हैं बातचीत के मुख्य अंश :-

रमेश जी : यह संघ के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए गौरव का क्षण है। डाक टिकट मात्र सरकारी औपचारिकता नहीं होती, यह समय और समाज के उस भाव को अमर करती है, जो आने वाली पीढ़ियों तक संदेश पहुंचाती है। संघ के शताब्दी वर्ष पर यह टिकट, भारत के राष्ट्र जीवन में अनुशासन, संगठन और कर्तव्य की परंपरा को मान्यता देने जैसा है। भारतीय संविधान ने हमें अनेक अधिकार दिए हैं, लेकिन साथ ही मौलिक कर्तव्यों का भी उल्लेख किया है। संघ का दृष्टिकोण सदैव यही रहा है कि अधिकार तभी सुरक्षित रहते हैं, जब उनके पीछे कर्तव्यों की शक्ति हो। यदि नागरिक केवल अधिकारों पर जोर देंगे और कर्तव्यों को भूल जाएंगे, तो राष्ट्र का संतुलन बिगड़ जाएगा। संविधान ने हमें जीवन, समानता, अभिव्यक्ति और शिक्षा जैसे अनेक मौलिक अधिकार दिए हैं, लेकिन अनुच्छेद 51(ए) में उल्लिखित मौलिक कर्तव्यों का पालन किए बिना ये अधिकार अधूरे रह जाते हैं। महात्मा गांधी ने चेताया था, ह्लअधिकार तभी सुरक्षित रह सकते हैं, जब उनके पीछे कर्तव्यों की शक्ति हो।ह्व स्वतंत्रता आंदोलन में उन्होंने केवल आजादी का अधिकार नहीं मांगा, बल्कि स्वच्छता, सत्य, अहिंसा, चरखा, स्वदेशी और आत्मानुशासन जैसे कर्तव्यों को भी जीवन में उतारने का आग्रह किया।

रमेश जी : काशी भारत की आत्मा का प्रतीक है। यहां से उठने वाला कोई भी संदेश दूर-दूर तक पहुंचता है। डाक टिकट के माध्यम से संघ का शताब्दी वर्ष काशी में भी एक नई चेतना जगाएगा। यह हमें याद दिलाएगा कि काशी केवल पूजा और परंपरा की नगरी नहीं, बल्कि अनुशासन और राष्ट्र सेवा की धारा का भी केंद्र है।

युवाओं को समझना होगा कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों से नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की भागीदारी से होता है। उनका कर्तव्य है कि वे अपने संस्कारों, परंपराओं और महापुरुषों के विचारों को आचरण में उतारें। शताब्दी वर्ष उन्हें यही संदेश देता है कि जब नागरिक कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करेंगे, तब भारत विश्वगुरु के रूप में स्थापित होगा।

यह टिकट गर्व और प्रेरणा दोनों का स्रोत है। यह केवल संघ का सम्मान नहीं, बल्कि उस कर्तव्यनिष्ठ भारतीय समाज का सम्मान है, जो अनुशासन और संगठन से राष्ट्र निर्माण करता है। आने वाली पीढ़ियाँ जब इस टिकट को देखेंगी, तो यह उन्हें कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देगा।

एक पत्रकार के नाते मेरा मानना है कि संघ की शताब्दी और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी स्मारक डाक टिकट वास्तव में एक ऐतिहासिक क्षण है। यह डाक टिकट केवल एक स्मृति चिह्न नहीं, बल्कि राष्ट्र जीवन की अनुशासनबद्ध यात्रा का प्रतीक है। यह टिकट कर्तव्य आधारित जीवन का शाश्वत प्रतीक बनकर दर्ज होगा। यह उस संदेश को पुष्ट करता है कि जब समाज संगठित होता है, तो असंभव लक्ष्य भी संभव हो जाते हैं। यह राष्ट्र के कर्तव्यनिष्ठ जीवन का वो दस्तावेज है, जो हमें याद दिलाता है कि अनुशासन और संगठन के साथ काम करने वाला समाज किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर

अमरावती देवी की पुण्यतिथि पर परिजनों ने अर्पित किया श्रद्धा सुमन

मुंबई। मुंबई के वरिष्ठ समाजसेवी तथा उद्योगपति शारदा प्रसाद सिंह की धर्मपत्नी अमरावती देवी की 15वीं पुण्यतिथि (1 अक्टूबर) के अवसर पर उनके परिजनों द्वारा उनकी तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर पूरा परिवार अत्यंत भावुक दिखाई दिया। सभी ने उनके द्वारा किए गए अच्छे कार्यों को याद किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में शारदा प्रसाद सिंह, कमला सिंह, लालता प्रसाद सिंह, नम्रता सिंह, उदय प्रताप सिंह, जयप्रकाश सिंह, जगदीश सिंह, निर्मला सिंह, मंजूलता सिंह, रीता सिंह, श्वेता सिंह, इंदू सिंह, हेमराज सिंह, सिद्धार्थ सिंह, सपना सिंह, कोमल सिंह यशराज आदि का समावेश रहा।

सिर में गोली मारकर युवक की हत्या

मेरठ(उत्तरशक्ति)। गांव नरहाड़ा के जंगल में सिर में गोली मारकर युवक की हत्या कर दी गई। सुबह किसान खेत पर पहुंचा तो शव पड़ा देखा। पुलिस ने आकर जांच की और पहचान न होने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं एक फुटेज वायरल हो रही है, जिसमें एक युवक गोली मारता दिख रहा है। लोहिया नगर थानाक्षेत्र के गांव नरहाड़ा से बिजली बंबा की ओर जाने वाली सड़क से करीब 200 मीटर अंदर चक रोड किनारे उपदेश बैसला की ट्यूबवेल पर 25 साल के युवक का शव पड़ा मिला। नरहाड़ा के ही किसान फिरे राम जब बुधवार सुबह अपने खेतों पर जा रहे थे तो शव पड़ा देखा। तुरंत ही घटना की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान करने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मृतक मुस्लिम वर्ग का लग रहा है। शव को लेकर मोर्चरी भेज दिया है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं। वहीं कुछ देर बाद एक फुटेज वायरल हो गई, जिसमें एक आरोपी गोली मारता दिख रहा है।

बंद कमरे में फंदे से लटकता मिला महिला का शव

पिपराइच। थाना क्षेत्र के ग्रामसभा जंगल धूसड़ टोला ककरहिया में मंगलवार सुबह शक्तिमान की पत्नी चंचल देवी (25) ने फंदे से लटक कर जान दे दी। दोपहर बाद जब पति घर लौटा तो दरवाजा भीतर से बंद मिला। फॉरेंसिक टीम संग मौके पर पहुंची पुलिस जब दरवाजा तोड़कर भीतर दाखिल हुई तो शव पंखे के कुंडे में साड़ी के सहारे लटका मिला।

शक्तिमान ने पुलिस को बताया कि उसके पिता पिछले तीन दिनों से एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं। वह रोज की तरह मंगलवार की सुबह पिता को भोजन देने गया था। लौटने पर देखा कि कमरा अंदर से बंद है। कई बार आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला तो आसपास के लोगों को बुलाकर दरवाजा तोड़ा गया। अंदर देखा तो पत्नी चंचल साड़ी के सहारे फंदे पर लटक रही थी। ग्रामीणों ने बताया कि करीब तीन साल पहले चंचल और शक्तिमान ने प्रेम विवाह किया था। शुरूआती दिनों में सबकुछ सामान्य था लेकिन हाल के दिनों में पैसों के लेन-देन को लेकर मनमुटाव की बातें सामने आ रही थीं। लोगों का कहना है कि शायद यही कारण रहा हो जिसने महिला को यह कदम उठाने पर मजबूर किया। थानाध्यक्ष अतुल कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आत्महत्या के सही कारण स्पष्ट होंगे। अभी तक मृतका के परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

आठ दिनों में 22 लाख से ज्यादा भक्त पहुंचे विंध्यधाम

विंध्याचल। विंध्य कॉरिडोर में इस बार शारदीय नवरात्र में अब तक 22 लाख से ज्यादा दर्शनार्थियों ने मां विंध्यवासिनी दरबार में शीश नवाया। महाकुंभ पलट प्रवाह के दौरान एक दिन में 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के मां विंध्यवासिनी के दरबार में दर्शन पूजन करने का रिकॉर्ड भी बन चुका है। 21 जनवरी 2025 महाकुंभ पलट प्रवाह में एक माह के बीच एक करोड़ 60 लाख देवी भक्त विंध्याचल पहुंचे थे। श्री विंध्य पंडा समाज अध्यक्ष पंकज द्विवेदी का कहना है कि चाहे शारदीय नवरात्र हो या फिर चैत्र नवरात्र लगातार श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा हो रहा है। चैत्र नवरात्र 2024 के आंकड़े पर गौर करें तो पूरे नवरात्र में 18 लाख से अधिक श्रद्धालु माता विंध्यवासिनी के दरबार में दर्शन पूजन किया था। इसी तरह शारदीय नवरात्र 2024 में यह संख्या बढ़कर 20 लाख से अधिक रही। इस वर्ष शारदीय नवरात्र में महाअष्टमी तक 22 लाख श्रद्धालु माता विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन कर चुके हैं।

विजयदशमी के लिए लगाया गया स्वागत द्वार से ट्रक टकराया

रायबरेली । रायबरेली में लालगंज कस्बे के करुणा बाजार चौराहा पर मंगलवार की देर विजयदशमी के लिए लगाया गया स्वागत द्वार से ट्रक टकरा गया। इससे स्वागत द्वार टूट गया। ट्रक चालक के मुताबिक गूगल मैप देखकर रास्ता का पता लगा रहा था। इस वजह से वह नो इंट्री वाले मार्ग में वाहन लेकर चला आया। मामले में रामलीला कमेटी ने पुलिस प्रशासन की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। दशहरा की तैयारी तेज है और इस के चलते नगर में जगह-जगह बैनर, पोस्टर और भव्य स्वागत द्वार लगाए गए हैं। मंगलवार देर रात करीब 10 बजे प्याज से भरा एक ट्रक चौराहा पर बने द्वार में फंस गया, जिससे द्वार टूट गया। इस दौरान देर तक हंगामा की स्थिति बनी रही। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह स्थिति को संभाला। मामले में ट्रक चालक ने पुलिस के सामने अपनी गलती स्वीकार कर ली। चालक ने बताया कि वह गूगल मैप देखकर रास्ता तय कर रहा था। नगर में नो-एंट्री का बोर्ड उसे दिखाई नहीं दिया। रामलीला कमेटी के रवि मुरारका, रौनक भदौरिया, प्रतीक शर्मा, वृंदावन व सौरभ शुक्ला ने पुलिस प्रशासन से नाराजगी जताई है।

पोखरे में नहाने गए युवक की डूबकर मौत

आजमगढ़। देवगांव कोतवाली के लहुआ खुर्द गांव (मौजा लोधापुर) निवासी अविनाश सिंह उर्फ बादल (30) पुत्र स्व. हरेंद्र बीती शाम करीब छह बजे पोखरे में नहाने गया था। इसी दौरान, वह गहरे पानी में चले गया और डूबने लगा। पोखरे की सीढ़ियों पर मौजूद एक बच्चे ने शोर मचाया तो आसपास के दुकानदार व ग्रामीण पहुंचे, लेकिन तब तक अविनाश गहराई में समा चुका था। पोखरे की गहराई और उसमें फैली झाड़ियां, शैवाल व खरपतवार के कारण बाहर नहीं निकल सका। सूचना पर पल्हना चौकी प्रभारी राजेश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और अधिकारियों को जानकारी दी। सूचना पर उपजिलाधिकारी लालगंज राजकुमार बैठा, क्षेत्राधिकारी लालगंज भूपेश पांडे, नायब तहसीलदार लालगंज मनोज गिरी और थाना कोतवाल देवगांव विमल प्रकाश राय जमे रहे। रातभर गोताखोरों ने पोखरे में युवक की तलाश की, लेकिन शव नहीं मिल सका। बुधवार सुबह करीब छह बजे से फिर खोजबीन शुरू हुई और लगभग साढ़े ग्यारह बजे शव पोखरे से बरामद किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अविनाश सिंह अविवाहित थे। माता-पिता की मौत पहले ही हो चुकी थी। उसकी दो बहनें गुंजा और मोनिका की शादी हो चुकी है।

30 दिन से अधिक अनुपस्थित रहने पर छात्र माना जाएगा ड्रॉप आउट

आजमगढ़। जिले में नए सत्र 2025-26 में परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की संख्या बढ़ाने की चल रही कवायद के बीच शासन ने उपस्थिति बढ़ाने व ड्रॉपआउट कम करने के लिए पूर्व में जारी आदेश को संशोधित कर दिया है। इसके तहत अब बच्चा बिना कारण तीन दिन अनुपस्थित रहता है तो बुलावा टोली उसके घर जाकर संपर्क करेगी। परिषदीय विद्यालयों में उपस्थिति बढ़ाने व ड्रॉपआउट कम करने के साथ ही बच्चे के लिए उपचारात्मक कक्षाएं भी चलेंगी। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं। बीएसए राजीव कुमार पाठक ने बताया कि पहले छह से 14 वर्ष के किसी बच्चे को अगर आउट ऑफ स्कूल तब माना जाता जब वह प्रारंभिक विद्यालय में कभी नामांकित न हो या नामांकन के बाद विद्यालय से निरंतर 45 दिन या उससे अधिक अवधि तक अनुपस्थित रहा हो।

अर्जुन शर्मा निर्विरोध चुने गए बदलापुर इकाई पत्रकार संघ के अध्यक्ष

जौनपुर । जौनपुर पत्रकार संघ की बदलापुर तहसील इकाई का अध्यक्ष पुनः अर्जुन शर्मा को निर्विरोध चुना गया। बुधवार को बक्शा विकास खण्ड के हनुमानगढ़ी मन्दिर पर आयोजित पत्रकार संघ की बैठक में कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से ओंकार मिश्र को सरंक्षक, सतेंद्र सिंह विक्की, अभिनव सिंह उपाध्यक्ष, शशि कुमार गुप्ता महामंत्री, कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह, अखिलेश यादव, अमित पाण्डेय, लालशेखर सिंह जनार्दन गौड़, वरुण यादव सयुंक्त मंत्री, राजकमल मिश्र,

कुलदीप विश्वकर्मा, रतन लाल आर्य आडिटर, ओमप्रकाश पाण्डेय उप आडिटर एवं ओमप्रकाश सेठ, पंकज विश्वकर्मा, सत्यप्रकाश यादव, सत्यनारायण गुप्ता, श्रवण निषाद आदि को सदस्य नामित किया गया। बैठक से पूर्व की पिछली कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई। कार्यवाही पश्चात नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए संरक्षक ओंकार मिश्र ने लोगों को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। इस दौरान अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि आप लोगों ने जो दायित्व सौंपा है उसके सापेक्ष मैं सदैव पत्रकारों के हित में लड़ाई लड़ने के लिए सदैव कटिबद्ध रहूंगा।

संदिग्ध हालात में गोली लगने से युवक की मौत

बिलग्राम। कोतवाली क्षेत्र के म्योरा गांव में संदिग्ध हालात में गोली लगने से युवक की मौत हो गई। युवक का शव शनिवार रात मकान से दो सौ मीटर दूर बनी चन्नी के पास पड़ा मिला।

मौके से कोई शस्त्र बरामद न होने से मामला पेचीदा हो गया है। मृतक की नजदीकियां एक युवती से होने की चर्चाएं भी तेज हैं। म्योरा निवासी विनीत (22) खेती करता था।

साथ ही मवेशियों को भी चराने जाता था। पिता मंगला प्रसाद के मुताबिक विनीत शनिवार सुबह लगभग 11:30 बजे घर से निकला था। इसके बाद शाम को पांच बजे वापस आ गया।

शाम को फिर से 7:30 बजे घर से अकेले ही बिना कुछ बताए चला गया। काफी रात तक वह वापस नहीं आया तो उसे तलाशते हुए घर से दो सौ मीटर दूर स्थित चन्नी (जहां जानवरों का चारा होता है) पर गया। वहां विनीत का शव पड़ा हुआ था। उसकी बाईं कनपटी में गोली लगी थी। गोली आर पार हो गई थी।

इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। रात लगभग 10:45 बजे शव सीएचसी की मोर्चरी में रखवा दिया गया। घटना का पता चलने पर एसपी अशोक कुमार मीणा, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी नृपेंद्र और सीओ रवि प्रकाश सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों से घटना के बारे में जानकारी ली।

फॉरेंसिक टीम ने नमूने भी जुटाए। एसपी अशोक मीणा ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

आत्महत्या और हत्या दोनों ही बिंदुओं पर जांच हो रही है। परिजनों ने किसी से भी रंजिश होने की बात से इनकार किया है। मोबाइल का लॉक खुले, सीडीआर मिले तो आगे बढ़े जांच।

राजन नाईक ने की पाँच नई लाल परी बसों की शुरुआत,नालासोपारा डिपो को मिली नई रफ्तार

नालासोपारा। नालासोपारा राज्य परिवहन निगम डिपो से यात्रियों के लिए राहतभरी खबर सामने आई है। भाजपा विधायक राजन नाईक ने मंगलवार को पाँच नई ह्यलाल परीह्व बसों का विधिवत उद्घाटन किया। इन नई बसों के साथ अब डिपो से कुल दस बसें सेवाएँ दे रही हैं, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। नालासोपारा डिपो से पहले ही पाँच बसें चल रही थीं, और अब पाँच नई बसों के जुड़ने से परिवहन व्यवस्था को और मजबूती मिली है। ये बसें अब लातूर, वाशिम और अमलनेर जैसे महत्वपूर्ण रूटों पर चलाई जाएँगी, जिससे उन क्षेत्रों के यात्रियों को लाभ मिलेगा। विधायक राजन नाईक ने जानकारी दी कि क्षेत्र में लंबे समय से नई बसों की कमी से लोग परेशान थे। इसे देखते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज्य परिवहन निगम प्रशासन से नई बसों की माँग की थी। इसका ही परिणाम है कि अब डिपो को लगातार बसें मिल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में और भी बसें नालासोपारा डिपो को दिलाने की कोशिशें जारी रहेंगी। इस अवसर पर डिपो मैनेजर नवनीत गावित, भाजपा जिला महासचिव मनोज बारोट, शहर अध्यक्ष सतीश सिंह, शहर महासचिव रूपाली चोरगे, सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला संयोजक जयप्रकाश वझे, पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष मालती सिंह, जितेंद्र नाईक, युवा नेता जिगर जैन समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मीरा भायंदर नगर निगम ने देवी दुर्गा के विसर्जन के लिए शहर में 9 स्थलों की पहचान

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र में 22 सितंबर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक मनाया जाने वाला नवरात्रि उत्सव भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। 2 अक्टूबर 2025 को देवी दुर्गा के विसर्जन की पृष्ठ भूमि में, मीरा भायंदर महानगरपालिका ने इस उत्सव को सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की योजना बनाई है। तदनुसार, मीरा भायंदर महानगरपालिका के माननीय आयुक्त और प्रशासक राधाबिनोद ए शर्मा (बी.पी.एस.) की अध्यक्षता में माननीय पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण (बी.पी.एस.) और महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त संभाजी पानपट्टे के साथ-साथ महानगरपालिका के अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। तदनुसार, देवी

दुर्गा के विसर्जन के लिए महानगरपालिका क्षेत्र में निम्नलिखित 9 आधिकारिक विसर्जन स्थलों की पहचान की गई है।

नगर निगम प्रशासन ने प्रत्येक विसर्जन स्थल पर सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखा है और मंडप व मंच, प्रकाश व्यवस्था, टेबल और प्रबंधन सामग्री जैसी विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। शहर के सभी नागरिक, समूह और श्रद्धालु नगर निगम के दिशानिर्देशों का पालन करें और पर्यावरण का ध्यान रखते हुए उपरोक्त निर्दिष्ट स्थानों पर ही देवी दुर्गा का विसर्जन करें। यह अपील नगर निगम द्वारा की जा रही है।

जुआ के अड्डे पर पुलिस का , 18 जुआ खेलने वाले लोग हिरासत मे

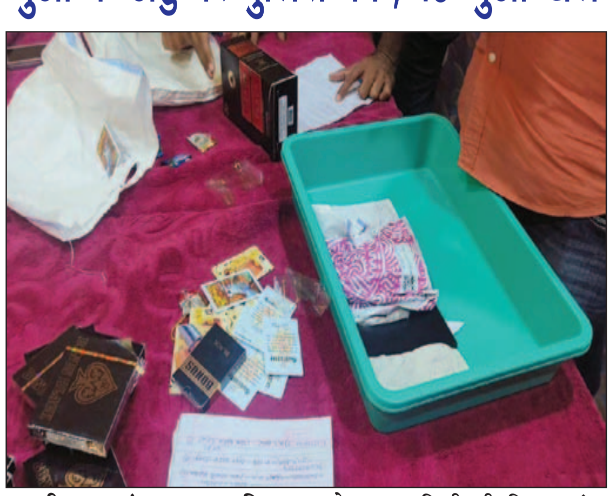

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर वेस्ट में जुआ के अड्डे से पुलिस ने 5 लाख के लगभग कैश रकम और 16 मोबाइल हैंडसेट जब्त किया। आज एमबी वीवी पुलिस आयुक्तालय, जोन 1 के डीसीपी राहुल चव्हाण आईपीएस को सूचना मिली थी कि, भायंदर वेस्ट के राई गांव तलाब के पास एक चाली के रूम में बड़े पैमाने पर जुआ का अड्डा चल रहा है, फिर जोन 1 डीसीपी ऑफिस की टिम,मीरा रोड और भायंदर थाने की संयुक्त टिम ने भायंदर वेस्ट के राई गांव के तलाब के पास पहुंच कर एक रूम में छापा मारा जाहापर जुआ खेलने वाले 18 लोगो को हिरासत में ले लिया। पुलिस की टीम ने जुआ के अड्डे से 18 लोगों से 5 लाख के लगभग कैश रकम और 16 मोबाइल हैंडसेट जब्त किया है। जुआ का अड्डा चलाने वाले आरोपी को पुलिस ने फरार बताया है भायंदर वेस्ट राई गांव में जुआ के अड्डे पर कारवाई एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारीयों एवं जोन 1 के डीसीपी राहुल चव्हाण आईपीएस के मार्गदर्शन में, एपीआई संतोष सांगविकर, मीरा रोड पुलिस थाने के पीएसआई अजय मांडोले, तथा जोन 1 डीसीपी ऑफिस की टिम, के साथ मीरा रोड और भायंदर पुलिस थाने की संयुक्त टीम ने यह कारवाई किया। और आगे की कानूनी कारवाई भायंदर पुलिस थाने की टीम ने कर रही है।

युवती की सड़क हादसे में मौत

उनवल। खजनी थाना क्षेत्र के छपिया फोरलेन पर मंगलवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से बांसगांव थानाक्षेत्र के हरिहरपुर निवासी आरती पांडेय (25) घायल हो गईं। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि आरती पांडेय पढ़ाई के साथ-साथ बुलेट चलाने की शौकीन थीं। गांव और आस-पास के इलाके में वह अपने शौक के लिए जानी जाती थीं। मंगलवार को भी वह अपने पैतृक गांव से लिंक एक्सप्रेस-वे होते हुए बुलेट से निकली थीं। लेकिन छपिया फोरलेन पर उनकी जिंदगी की रफ्तार अचानक थम गई। इधर हादसे में आरती की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख पुकार मच गई। पिता प्रभाकर पांडेय और अन्य परिजन शव देखकर बेसुध हो गए। मां और भाई-बहनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

ग्रामीणों का कहना था कि आरती पढ़ाई-लिखाई में तेज और आत्मनिर्भर बनने की चाह रखने वाली थीं। अक्सर उन्हें बुलेट चलाते हुए देखा जाता था, और यह उनका जुनून भी था। थाना प्रभारी अनूप कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। अज्ञात वाहन की तलाश के लिए पुलिस टीम को लगाया गया है। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि हादसे के जिम्मेदार वाहन और चालक का जल्द पता लगाना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि फोरलेन पर ज्यादातर वाहन हाईवे स्पीड से गुजरते हैं और कैमरे भी पर्याप्त संख्या में नहीं लगे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि छपिया फोरलेन पर आए दिन हादसे होते रहते हैं। तेज रफ्तार वाहन चालक लापरवाही से सड़क पार करने वालों और दोपहिया सवारों को रौंद देते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि स्पीड कंट्रोल और यातायात सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

इस्माईल डेन्टल हास्पिटल
दांत का अस्पताल
New Year 2025 Offer
निःशुल्क परामर्श
निःशुल्क एक्स रे
नकली दांत पर 20% की छूट
दांत की सफाई पर 50% की छूट
डा. शाहनवाज़ इस्माईल
डॉ. सहला मुसर्रत
Call: 9044644776, 9580978774

नोबल हॉस्पिटल & रिसर्च सेन्टर
نوبل ہاسپیٹل اینڈ ریسرچ سنٹر
डा. शारिक नदीम M.B.B.S., MD FICC (Cardiology) फिजिशियन, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डा. अभिजीत कुमार M.B.B.S., M.I.M.A जनरल फिजिशियन
डा० इरफान अहमद B.U.M.S.CCH (Indore) N.D.E.P.C.
Helpline- 6307493268
शुगर की जाँच
HbA1c की जाँच
हड्डी की जाँच (BMD)
नस की जाँच (Neuropathy)
फेफड़ों की जाँच (Spirometry)
यूरिक एसिड
कोलेस्ट्राल की जाँच
थायराइड की जाँच
आजमगढ़ रोड, निकट- सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पचहटियाँ, जौनपुर- 222001